



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 45] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 10, 1979 (कार्तिक 19, 1901)

No. 45] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 10, 1979 (KARTIKA 19, 1901)

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या दो आती है जिससे कि यह अस्तग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ स्तरीक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक मुद्रार विभाग

लाल बहादूर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

मसूरी, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

सं. 2/46/75-स्थापना—इस कार्यालय की अधिसूचना
सं. 2/46/75-स्थापना दिनांक मई 25, 1979 को जारी
रखते हुए, निदेशक महोदय श्री कैलाशनन्द सक्सेना की नियुक्ति
पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर दिनांक 15-10-1979 में आगामी
छां मास के निए या किसी नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी
पूर्ण हो, तदर्थे रूप में महर्ष बढ़ाते हैं।

के० रंगराजन,
उप निदेशक (वरिष्ठ)

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1979

सं. प-35013/15/79-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रमाद
से सीमा मुरझा बल से प्रतिनियुक्त अधिकारी श्री डी० एन०
316GI/79

बतरा को दिनांक 24-9-79 के अपराह्न से अगले आदेश तक
के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस
अधीक्षक के रूप में नियुक्त करने हैं।

की० ना० ग्रोवर्
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

सं. ओ० दो-227/69-स्थापना—राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व
पुलिस बल के श्री हेमा राम, सुदेवार को उप-पुलिस अधीक्षक
के पद पर अन्यथायी रूप में अगले आदेश जारी होने तक पदोन्नत
करते हैं।

2. उन्होंने अपने पद का कार्यभार 12 वाहनी में दिनांक
23-8-79 (अपराह्न) को सम्भाल लिया है।

प्र० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० 10/21/79-प्रशासन-I-21720—संघ सेवा आदोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, नई दिल्ली में, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (मानविक) और इस समय उसी कार्यालय में मानचित्र अधिकारी के पद पर तर्वर्ष आधार पर कार्यरत छा० आर० आर० त्रिपाठी को उसी कार्यालय में तारीख 25 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से आगे आदेशों तक, अस्थाई क्षमता में नियमित आधार पर मान चित्र अधिकारी के पद पर सहृष्टि नियुक्त करते हैं।

पी० पद्मनाभ,
महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

सं० 3965—रा० स्था०-I/III

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

सं० 467-ए० स्था०-I/वी०-12/नि० फा० भाग IV, दिनांक 3 फरवरी 1979—श्री एन० बैंकटरामन, भा० ले० तथा ले० प० सेवा 26-1-79 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 265-रा० स्था० I/एन० 144/नि० फा०, दिनांक 20 जनवरी 1979—कुमारी डॉ० वी० नन्दिनी को उनके विवाह के बाद अपनानाम बदलकर श्रीमती नन्दिनी अशवक्त कपड़ी रखने की अनुमति दी गई है।

सं० 540/रा० स्था०-I/एल०-7/नि० फा० भाग-III (के० उल्लू०) दिनांक 14 फरवरी 1979—श्री ए० एम० लंकर, भा० ले० तथा ले० प० सेवा को 30-4-79 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

सं० 972/रा० स्था०-I/ओ०-4/नि० पा० दिनांक 19 भार्च 1979—कुमारी प्रवीन ओहरी को उनके विवाह के बाद अपना नाम बदलकर श्रीमती प्रवीन त्रिपाठी रखने की अनुमति दी गई है।

सं० 1009-रा० स्था०-I/डी०-39/नि० फा० दिनांक 20 भार्च 1979—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने श्री ए० सी० दास भा० ले० तथा ले० प० सेवा को भूटान सरकार के महालेखा परीक्षक के कार्यालय में मुख्य लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर कार्य करते हुए 18 अप्रैल, 1978 से लेकर आगे आदेश मिलने तक सेवा के कनिष्ठ प्रेड में स्थानापन्न रूप में पदोन्नत कर दिया है।

भूटान सरकार में उनकी प्रतिनियुक्ति नियमित करने वाले निवेदन मंत्रालय के पद सं० ई IV-551/19/72 दिनांक 10-5-1973 के पैराग्राफ 1 के अनुसार यदि अधिकारी की प्रति नियुक्ति पर रहते हुए अपने मूल विभाग में पदोन्नति हो जाए तो वे प्रतिनियुक्ति के दौरान वित्तीय लाभों के हकदार नहीं होंगे।

परिणामतः श्री ए० सी० दास को 5-9-78 तक कनिष्ठ प्रशासनिक प्रेड में पदोन्नति से उद्भूत कोई बकाया राशि नहीं होगी।

सं० 1246-रा० स्था०-I/292-74 दिनांक 7 अप्रैल 1979—श्री ए० पी० धोष, महालेखाकार, त्रिपुरा प्रगतता को 1-11-78 से लेकर आगे आदेश मिलने तक महालेखाकार प्रेड के स्तर-I (2500-125/2-2750 रु०) में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० 1248-रा० स्था०-I/292-74 दिनांक 7 अप्रैल 1979—श्री एस० जयारमन, महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर को 1-1-79 से लेकर आगे आदेश मिलने तक महालेखाकार प्रेड के स्तर-I (2500-125/2-2750 रु०) में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० 1202-रा० स्था०-I/121-77 दिनांक 10 अप्रैल 1979—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने भा० ले० तथा ले० प० सेवा के वरिष्ठ भूमिका के अधिकारी श्री ए० सी० साहा को सिक्किम सरकार के मुख्य वेतन एवं लेखा अधिकारी गंगटोक के पद पर काम करते हुए मू० नि० 30(1) के दूसरे परन्तुक के अधीन 18 दिसम्बर, 1978 से लेकर आगे आदेश मिलने तक सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक प्रेड (1500-60-1800-100-2000 रु०) में स्थानापन्न रूप में पदोन्नत कर दिया है।

सं० 1480-रा० स्था०-I/एस०-109/नि० फा० दिनांक 21 अप्रैल 1979—श्री बी० पी० सिन्हा, भा० ले० तथा से० प० सेवा 31 भार्च, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 1484-रा० स्था०-I/84-78 दिनांक 27 अप्रैल 1979—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने श्री ए० शान्तोलिलु को तमिलनाडु विद्युत बोर्ड, मद्रास के लेखा सदस्य पद का काम करते हुए मू० नि० 30(1) के दूसरे परन्तुक के अधीन 3-3-79 (अपराह्न) से लेकर आगे आदेश मिलने तक महालेखाकार प्रेड के स्तर-II (2250-125/2-2500 रु०) में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

सं० 1473-रा० स्था०-I/के०-68/नि० फा० दिनांक 27 अप्रैल 1979—विवाहों परान्त श्रीमती स्तिमेर कौर को अपना नाम बदलकर श्रीमति स्तिमेर कौर साहनी रखने की अनुमति दी गई है।

सं० 2152-रा० स्था०-I/84-78 दिनांक 6 जून 1979—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने भा० ले० तथा ले० प० सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर काम करते हुए मू० नि० 30(1) के दूसरे परन्तुक के अधीन प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से लेकर, आगे आदेश मिलने तक, महालेखाकार स्तर-II प्रेड (2250-125/2-2500 रु०) में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है:—

1. श्री बी० पी० एस० भारद्वाज मुख्य लेखाकार 16-4-79
दिल्ली नगर
निगम दिल्ली।

2. श्री एस० चन्द्रशेखर . वित्तीय सलाहू— 16-4-79
 कार एवं
 मुख्य लेखा
 अधिकारी
 खनिज अनु-
 संधान निगम
 लिमिटेड,
 नागपुर।

सं० 2895-रा० स्था०-I/121-77, दिनांक 30 जुलाई 1979—
 भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने भा० ले० तथा ले० प०
 सेवा के विभिन्न समयमान के अधिकारी श्री सुरिन्द्र पाल को अलीगढ़
 मुस्लिम विश्वविद्यालय में वित्त अधिकारी के पद पर काम करते
 हुए मू० नि० 30(1) के द्वारे परन्तुक के अधीन 16-4-79
 (अपराह्न) ने लेफ्टर आगे आदेश मिलने तक सेवा के कनिष्ठ
 प्रशासनिक ग्रेड (1500-60-1800-100-2000 रु०) में
 स्थानापन्न रूप में पदोन्नत कर दिया है।

सं० 3150 रा०, स्था०-I/एस०-115/नि० का० भाग III
 दिनांक 20 अगस्त 1979—श्री के० सुन्दरम्, भा० ले० तथा ले० प० सेवा 2 अगस्त, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए।

बी० एम० ओक्टो
 सहायक नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (कार्मिक)

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम्, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० स्थापना/हक्कदारी/6/10-3—इस कार्यालय के लेखा-
 अधिकारी श्री एन० परमेश्वरन नायर अधिविष्टा की आयु
 में 30-9-79 अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

सं० स्थापना/हक्कदारी/6/10-3—इस कार्यालय के लेखा अधि-
 कारी श्री सी० के० तंकपन अधिविष्टा की आयु में 30-9-79
 अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

एस० सेतुरामन,
 महालेखाकार

महालेखाकार का कार्यालय, आनंद प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 23 अक्टूबर 1979

सं० प्रशा०-I/8-132/79-80/150—श्री के० नारायण
 मूर्ति, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आध प्रदेश I सेवा
 से निवृत्त हुए दिनांक 30-9-1979 अपराह्न।

रा० हरिहरन,
 वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र)

रक्षा संभालय

आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय मिलिं सेवा
 कलकत्ता-69, दिनांक 8 अक्टूबर 1979

सं० 1F/79/ए०/ई०-1 (एम० जी०)—डी० जी० ओ०
 एफ० महोदय श्री सुनील कुमार भट्टाचार्जी (1), स्थानी
 सहायक को सहायक स्टाफ अफसर के पद पर प्रवकाश-रिक्ति
 में स्थानापन्न रूप से, तदर्थं आधार पर, दिनांक 12-9-79 से
 67 दिनों के लिए या जब तक सम्बन्धित अफसर जिसकी
 प्रवकाश रिक्ति में प्रोप्रति का आदेश दिया जाता है, अपना
 कार्यभार नहीं संभालते तब तक के लिए, इसमें से जो भी पहले
 हो, प्रोप्रति करते हैं।

बी० पी० चक्रवर्ती
 ए० डी० जी० ओ० एफ०, (प्रशासन)
 फूते महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरियों

कलकत्ता, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

सं० 51/79/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष)
 प्राप्त कर, श्री आर० सी० चावला, ओ० एस० डी० (स्थाना-
 पन्न सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रबन्धक) (मौलिक
 एवं स्थायी डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०/(उप-प्रबन्धक))
 दिनांक 31 अगस्त, 79 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
 सहायक महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरियों

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

सं० प्रशा०-I/का०आ०/361/5-6/पदोन्नति/79-80/
 1387—निदेशक लेखा परीक्षा आगे आदेश होने तक¹
 इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को 28
 सितम्बर, 1979 (अपराह्न) से लेखापरीक्षा अधिकारियों के
 रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते
 हैं :—

क्रम नाम
 सं०

1. श्री सी० एल० अरोड़ा
2. श्री ओ० पी० मलिक
3. श्री वाई० पी० तरुला
4. श्री एन० एन० जेन

ह० अपठनीय
 संयुक्त निदेशक, ल० प० (प्रशासन)

श्रम मंदिरालय

शिमला-171004, दिनांक 6 नवम्बर 1979

सं० 23/3/79-सी० पी० आई०--सितम्बर, 1979 में
श्रोदयोगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य
सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) अगस्त, 1979 के स्तर
से तीन अंक बढ़ कर 363 (तीन सौ तिरेसठ) रहा है।
सितम्बर 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100
पर परिवर्तित किए जाने पर 441 (चार सौ इकातालोंस) आता
है।

त्रिभुवन सिंह
उप-निदेशक
थम व्यरो

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति पर्व महकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1979
आयात पांच निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1279/79-प्रश्नाभासन (गज०)---7452--मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, एतद्वारा श्री मुकेश भट्टनागर को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, वानपुर के कार्यालय में 7 जितम्बर, 1979 के अपराह्न में नियंत्रक, आयात-निर्यात (वर्ग-व्य) के पद पर, अगला आदेश जारी होने तक स्थानापन स्थ से नियन्त्रित करते हैं।

2. नियंत्रक के रूप में श्री भट्टाचार्य 650-30-740-35-810-द० रो०-880-10-1000-द० रो०-40-1200 रुपां के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सं० ६/१२८३/७९-प्रशासन(राज०)/७४६२--मुख्य नियंत्रक,
आयात-निर्धात एनदब्ल्यूआर्डिनेंस इविवरप्रेस्ट फैक्टरी रक्षा
भंक्रालप, काशीपुर से महायक फोरमैन श्री के० के० भौमिक
को पंयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्धात, बम्बई के कार्यालय
में १९ सितम्बर, १९७९ के पुर्वाह्नि अगला आदेश जारी होने
का नियंत्रक आयात-निर्धात (वर्ग-च्च) के पद पर स्थानापन
रूप में नियक्त करते हैं।

2. नियंत्रक के रूप में, श्री भौमिक 650-30-740-
35-810-द० रो०-880-40-1000 द० रो०-40-1200
रुपल के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेगे।

सं० 6/1285/79-प्रशासन (राज०)/7470—मुख्य नियतक, आप्रति-निर्यात प्रतद्वारा श्रीमती गणि बालासुद्रामनियन को 12 सितम्बर, 1979 के पुर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक

मंयुक्ता मुख्य नियन्त्रक, आयान-सिर्यान, बैचवई के कार्यालय में, नियन्त्रक आयान-नियन्त्रि (वर्ग-ख) के पद पर स्थानापन्न हूपने वे नियन्त्रक करते हैं।

2. नियंत्रण के रूप में श्रीमन्ति गणि बालासुद्रामनियन
650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-
40-1200 रुपए के वेतनमात्र में वेतन प्राप्त करेगी ।

भं० 6/1286/79-प्रश्नागति (गज०)/7474---मुख्य नियंत्रण, आयात-निर्यात, एन्ड्रेडारा भहायक खुफिया ब्यूरो, गृह मंत्रालय, वर्ष्वर्ड के गहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी, श्री एम० बालगंगाधरण की संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, वर्ष्वर्ड के हायलिय में 1 सितम्बर, 1979 के पूर्वान्तर से अगला अवैदेण जागी होने तक नियंत्रण, आयात-निर्यात (वर्ग ख) के पद पर स्थानापन्न रूप के नियुक्त रहते हैं।

2. नियंत्रक के रूप में श्री बालगणधरण 650-30-
740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200
मात्र के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

मं० 6/1282/79-प्रश्नासन (राज०)/7489—मुख्य नियंत्रण, आयात-निर्धारा, एनडब्ल्यूआर कुफिया व्यूरो, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली, में सहायक श्री पी० गणेशन् को 6 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न वे आवाशादेग जारी होने तक संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्धारा के कार्यालय में नियंत्रक आयात-निर्धारा (वर्ग-ख) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2. नियंत्रक के स्वप्न में श्री गणेशन् 650-30-740-35-
810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए
के बैनरमान में बेतन प्राप्त करेंगे।

मी० पृ० आर्य,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्याति

उद्घोग मंत्रालय

श्रीयोगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कायलिय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 अक्टूबर 1979

मं० प्र०-19018(404)/79-प्रणालन (राजपत्रित)---
नियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर भारतीय डाक सेवा
के अधिकारी श्री बी० डी० टकरीवाल ने दिनांक 28 जुलाई, 1979
(आराहू) ने विभास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के
कार्यालय के संयुक्त विभास आयुक्त पद का कार्यभार छोड़
दिया।

महेन्द्र पाल गुप्त
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्णि तथा निष्ठान . महानिदेशालय
(प्रशासन अनभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

गं० प्र०-६/२४७(६०२)---राष्ट्रपति, सहायक निवेशक
निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण संवा ग्रुप ए की धातु-

कर्मशाला के ग्रेड III) श्री विष्व प्रकाश को दिनांक 30-8-79 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उप निदेशक निरीक्षण (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए की धारा कर्मशाला के ग्रेड II) के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री विष्व प्रकाश ने दिनांक 29-8-79 के अपराह्न भ निरीक्षण निदेशालय, टाटानगर के अधीन भिन्नाई में गहायक निदेशक निरीक्षण (धारा) आ पद भार छोड़ दिया और दिनांक 30-8-79 के पूर्वाह्न से उसी निदेशालय के अधीन राउरकेला में उप निदेशक निरीक्षण (धारा) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० ए-17011/47/72-प्र०-६—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए (इंजी० शाखा) के ग्रेड III में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री ए० के० सत्वाह को दिनांक 18-9-79 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए (इंजी० शाखा) के ग्रेड II में उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री ए० के० सत्वाह ने निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में 5 मितम्बर, 1979 के अपराह्न को निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 18-9-79 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण का पद भार सम्भाल लिया।

दिनांक 23 अक्टूबर 1979

सं० ए-17011/162/79-प्र०-६—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक मद्रास के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री एम० माधव राव को दिनांक 31-8-79 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय के अधीन निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में गहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

पी० डी० सेठ

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

सं० सी० 5563/724-एस० घो० एस० (ए)—श्री बी० टोप्पो भंडार सहायक (सिले ग्रेड), 10 मितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग हैदराबाद में सहायक भंडार अधिकारी (सा० सि० म० ग्रुप 'बी') के पद पर 550-25-750 द० रो०-30-900 रुपए के वेतन मात्र में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

दिनांक 19 अक्टूबर 1979

सं० ई० 1-5566/913-एच०—इस कार्यालय की अधिकृता १० ई० 1-5112/913 एच० दिनांक 14 मितम्बर, 1978,

के अनुक्रम में श्री आर० के० चमोली, हिन्दी अधिकारी, महासर्वेक्षक कार्यालय की तदर्थ नियुक्ति की अवधि 30 मितम्बर, 1979 तक बढ़ाई जाती है। इस कार्यालय से जारी की गई अधिसूचना सं० ई० 1-5479/913 एच० दिनांक 19 अप्रैल, 1979, निरस्त की जाती है।

के० ए८० खोसला,
मेजर जनरल
महासर्वेक्षक

दूरवर्षण महानिदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 अक्टूबर 1979

सं० ए-19012/30/79-एस०-२—महानिदेशक दूरदर्शन, श्री एस० मधू जो पहले सी० एस० य०, मी० बी० एस०, आकाशवाणी, बम्बई में वरिष्ठ लेखाकार के पद पर कार्यरत थे, को दूरदर्शन केन्द्र, बम्बई में 10-8-1979 (पूर्वाह्न) में रुपए 650-960 के वेतनमात्र में आगे आदेश होने तक प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19012/29/79-एस०-२—महानिदेशक दूरदर्शन, श्री जे० सी० गुप्ता जो पहले आकाशवाणी, शिमला में लेखाकार के पद पर कार्यरत थे को दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर में 1 मितम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से रुपए 650-960 के वेतनमात्र में आगे आदेश होने तक प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सी० ए८० आर्य,
उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० ए०-20011/2/73-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने केन्द्रीय सूचना सेवा के आर० कृष्णमोहन, स्थानापन्न टिकट रायटर, तूनीय श्रेणी अधिकारी को दिनांक 29-8-79 के पूर्वाह्न से फिल्म प्रभाग के अंटोनामी के वर्किंग ग्रुप के लिए रिसर्च अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

नरेन्द्र नाथ शर्मा,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

सं० ए-12026/2/77-था०--श्री आर० डी० चारी, स्थायी ज्येष्ठ लेखाकार को वि० द० प्र० नि० में 3 अक्टूबर,

1979 से अगले आदेश तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त विया गया।

दिनांक 17 अक्टूबर 1979

सं० ए०-12025/1/79-स्थापना--विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री ए० एस० कृष्णमूर्ती को सीनियर आर्टिस्ट के पद पर अस्थायी रूप से 13 मितम्बर 1979 से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अक्टूबर 1979

सं० ए०-12026/5/79-स्थापना--विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री डी० एल० घोषाल, वितरण सहायक की, श्री जोगी राम लंगन, महायक वितरण अधिकारी, जो अवधारण पर हैं, के स्थान पर इस निदेशालय में 25-9-79 (अपराह्न) से तदर्थ आधार पर महायक वितरण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृति विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

कृषि और सिचाई मन्त्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

सं० ३ (48)/78-स्था० (I)--अधीक्षक (कोटि प्रथम) के पद पर सर्व श्री एस० एल० धीर, के० आर० विज, और श्री० पी० भसीन की तदर्थ नियुक्तियाँ 30-9-1979 से आगे 31-10-1979 तक बनी रही।

बद्रीनाथ चड्ढा,
निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय मत्स्य शिक्षण संस्थान,
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्
बम्बई-58, दिनांक 22 अक्टूबर 1979

सं० 2-12/79/92—कृषि एवं सिचाई मन्त्रालय (कृषि विभाग) की विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश के आधार पर निदेशक, केन्द्रीय मत्स्य शिक्षण संस्थान, बम्बई, श्री डी० वी० रेड्डी, कार्म अधीक्षक, खारा पानी मत्स्य फोर्म को 1 जुलाई, 1976 से कार्म अधीक्षक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० एन० द्विवेदी,
निदेशक

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

सं० ए०-19024/4/79-प्र०-III—श्री जी० एन० गर्ग, वरिष्ठ रसायनज्ञ को क्षेत्रीय एग्रमार्क प्रयोगशाला, गाजियाबाद में तारीख 14-9-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न मुख्य रसायनज्ञ के रूप में नियुक्त किया जाता है।

बी० एन० मनिहार
निदेशक, प्रशासन

कृति कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

सं० प० ख० प्र०-2/2798/78-प्रशासन-परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक ने उसी प्रभाग के अस्थायी महायक मंजन डा० पी० नरसिंह मूर्ती का त्याग-पत्र 28 मितम्बर, 1979 की अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 22 अक्टूबर 1979

सं० प० ख० प्र०-1/13/78-प्रशासन-परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री अजय कुमार तिलबांकर राव को उसी प्रभाग में 3 मितम्बर, 1979 को पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/भभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

संदर्भ भापाप/स्था/1/चि-33/6006—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री दत्तात्रेय शंकराम विने, अस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र तथा स्थानापन्न सहायक लेखाकार, भारी पानी परियोजना (कोटा) को उसी परियोजना में 14 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से 23 जून, 1979 (अपराह्न) तक के लिए स्थायी तौर पर तदर्थ आधार पर श्री एस० आर० शिद्याली, सहायक लेखा अधिकारी, जो स्थानापन्न लेखा अधिकारी II नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० भापाप/स्था/1/एस-25/6007-भारा पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री शिवपुत्रा रेवता

शिद्धिमाली, स्थायी अवर श्रेणी लिपिक, भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र तथा भारी पानी परियोजना (कोटा) के स्थानापन्थ महायक लेखा अधिकारी को 14 मई, 1979 (पूर्वाह्नि) से 23 जून, 1979 (अपराह्न) तक के लिए श्री ए० एन० एम० गोविन्दस्वामी लेखा अधिकारी II के स्थान पर, जो छुट्टी पर है, आस्थायी तौर पर तदर्थं आधार पर स्थानापन्थ लेखा अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

आर० सी० कोटियनकर,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० ए०-३८०१३/१/७९-ई० ए० निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री बी० एल० चड्डा, महायक विमान क्षेत्र अधिकारी, मफस्लरजंग प्रयरपोर्ट, नई दिल्ली दिनांक 31 अगस्त, 1979 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

सं० ए० ३८०१५/५/७६-ई० ए०-निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एम० टी० आमम, महायक विमान क्षेत्र अधिकारी, क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, मद्रास प्रयरपोर्ट, मद्रास दिनांक 30 अगस्त, 1979 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

बी० बी० जौहरी,
महायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० ए० ३५०१८/२६/७८-महानिदेशक नागर विमानन, निदेशक, लेखापरीक्षा, दक्षिण रेलवे, मधुरे मंडल कार्यालय के प्रनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा) श्री टी० बी० नेन्लायपन को नागर विमानन विभाग के मुख्यालय कार्यालय में दिनांक प्रथम सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्नि) से दो वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्त के आधार पर रूपए 840-1200 के वैतनमान में लेखा अधिकारी (लागत) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० के० वृत्तम,
महायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

सं० ए० ३२०१३/४/७९-ई० सी०-राष्ट्रपति ने श्री एल० आर० गर्ग, महायक निदेशक संचार, महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) को दिनांक 24-९-७९(अपराह्न) से छः माह के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्त होने तक जो भी पहले हो, उपनिदेशक संचार के ग्रेड में तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 19 अक्टूबर, 1979

सं० ए० ३२०१४/४/७९ ई सी—महारा नदेशन नागर विमानन ने श्री सरोज कुमार शैत, मंचार महायक, बैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता को दिनांक 7-९-७९ (पूर्वाह्नि) से तदर्थं आधार पर महायक संचार अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० ३२०१४/४/७९-ई० सी०-महानिदेशक नागर विमानन ने श्री पी० ए० मधुरो, मंचार महायक, बैमानिक संचार स्टेशन पालम को दिनांक ५-९-७९ (पूर्वाह्नि) से तदर्थं आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० ३२०१४/४/७९-ई० सी०-महानिदेशक नागर विमानन श्री एम० एन० भागवत, संचार महायक, बैमानिक संचार स्टेशन, बैलगाम को दिनांक २९-९-७९ (पूर्वाह्नि) से नियमित आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उन्हें बैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई में तैनात करते हैं।

सं० ए० १२०२५/१/७८-ई० सी०-(राष्ट्रपति श्री भरविन्द कुमार अग्रवाल को दिनांक २६-९-७९ (पूर्वाह्नि) से नागर विमानन विभाग के बैमानिक संचार संगठन में तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं और अन्य आदेश होने तक उन्हें निदेशक, रेडियो निमण एवं विमान एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात करते हैं।

सं० ए० ३८०१२/१/७९-ई० सी०-निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर श्री आर० के० भादुरी, सहायक तकनीकी अधिकारी, बैमानिक संचार स्टेशन, रायपुर ने दिनांक ३१-८-७९ (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

आर० एन० दास
महायक निदेशक प्रशासन

निमणि महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निमणि विभाग

नई दिल्ली-१, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

सं० ३३/११/७८-ई० सा०-९-(राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री एम० ए० अर्जेंजा को उप-वास्तुविद के नाते अस्थायी पद पर रूपए 700-४०-९००-८० रो०-४०-११००-५०-१३०० के वैतनमान में सामान्य नियमों एवं शर्तों के अन्तर्गत दिनांक 14-९-७९ (पूर्वाह्नि) से नियुक्त करते हैं।

2. श्री अजीज़ को उनकी नियुक्ति की तिथि से 2 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर उप-वास्तुविद के नामे रखा गया है।

हर्ष देव मिन्हा,
प्रशासन उप निदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अप्राच्ची ड्यरी एण्ड

एग्रीकल्चरल फार्म प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर 1979

सं० 6938/560(5)/77---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धा० 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दो जाती है कि एकीक-षफ्काक लेदर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

मूलना दो जातों है कि अप्राच्ची ड्यरी एण्ड एग्रीकल्चरल फार्म प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एकीक-षफ्काक लेदर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर 1979

सं० 7025/560(5)/77---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धा० 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दो जाती है कि एकीक-षफ्काक लेदर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

के० पञ्चापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्राधिकरण (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1
4/14क, आमफली मार्ग, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, विनांक 9 प्रक्तुबर 1979
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/10-79/395—
यतः, मुझे, डी० पी० गोपल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 840 वर्ग गज जमीन है, तथा जो गांव पीरां
गढ़ी दिल्ली में स्थित है (अग्र इससे उपावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 7-2-1979
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम-पर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आप: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, डक्टर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरीकिशन, श्री छूड़ण व बाल छूड़ण पुत्रगण श्री
परसराम निवासी 17/25 पूर्वी पंजाबी बाग, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरिनंदर मिह हसनवालिया पुत्र श्री आई० ए० स०
हसनवालिया निवासी बी-87 डिकेम कालोनी, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अत्रिध बाद में भास्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी पंग व्यक्ति द्वारा, अब्रोडस्टाशरी के पास
विक्रित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
शहों पर्व होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लाल डोरा जमीन क्षेत्रफल 840 वर्ग गज जो 2520 वर्ग
गज का हिस्सा है, खसरा नं० 487/53, 487/54 व 487/60
जो गांव पीरां गढ़ी दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोपल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-10-1979

सौहर :

प्रकृष्ट प्राई. डी० एन० एस०-----

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-2

4/14क, आसफाबली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-III/10-79/396—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आदा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 840 वर्ग गज जमीन है, तथा जो गाँव पीरा
गढ़ी दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 7-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पक्कह प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
चुदृश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी ज्ञन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
ग्रामकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः ग्राम प्रधिनियम की आदा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की आदा 269-ए की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री हरी कृष्ण, श्री कृष्ण व बाल कृष्ण पुत्रगण श्री परसराम
निवासी 17/25 पूर्वी पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. मैं० कुलवन्त इलैक्ट्रिकल इन्डस्ट्रीज एच-1/9, कृष्णनगर
इनके पार्टनर श्री हरचरन सिंह हसनवालिया के द्वारा
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राम्येष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्यंत होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

लाल ढोरा, जमीन क्षेत्रफल 840 वर्ग गज जो 2520
वर्ग गज का हिस्सा है, खसरानं० 487/53, 487/54 व 487/60
गाँव पीरा गढ़ी विल्ली दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रधन आई० टी० ए० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269वा०(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मञ्जन रेंज-III, दिल्ली-2

4/14क, आसफाबादी मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यु-III/10-79/397—

यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269वा० के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 840 वर्ग गज जमीन है, तथा जो गाँव पीरा गढ़ी दिल्ली से स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 7-2-1979

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रष्टरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्भाह प्रतिक्रिया से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरण से ही किसी आय की वाचत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के अध्याय में कभी करने वा उक्त से बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय पा किसी बन या प्राय आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की वारा 269 वा० की उचावारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्त :—

1. श्री हरी कृष्ण, श्री कृष्ण व बाल कृष्ण पुत्रगण श्री परसराम निवासी 17/25 पूर्वी पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री हरसरत सिंह दूसनवालिया पुत्र स० कुलबन्त सिंह निवासी एच-1/8, कृष्णनगर, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरो करके पूर्णोक्त संपत्ति के प्रधीन के लिए कार्यगाहिण करता है ।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी माझेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त अधिकारी से किसी अविक्षिया द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षिया द्वारा अघोस्त्खाकरी के पात्र निवित में किए जा सकेंगे ।

प्रधीनकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

लाल डोरा जमीन क्षेत्रफल 840 वर्ग गज, जो 2520 वर्ग गज का हिस्सा है, खसरा नं० 487/53, 487/54 व 487/60 गाँव पीरा गढ़ी दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है ।

डी० पी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रञ्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

नोटर :

प्रखण्ड आई० ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

राजा सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-2

4/14क, आसफजली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1 दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० अ.आई० ई० सो० /एक्य०III/-10-79/398—

यतः, मझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को पह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसको सं० प्लाट नं० 83 है, तथा जो वैस्ट एवेन्यू रोड
पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 26 फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टिभावन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुवॉक्त वस्ति
हा उचित बाजार मूल्य, उपर कृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टिभावन
प्रतिफल का अद्यूत पत्रिभत अधिक है और अस्तरक
(प्रभरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तर्गत के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) प्रतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी इन या अन्य आधिनियमों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधीन :—

1. श्री ग्रोकार सिंह पुन्न सरदार मिह निवासी लिक रोड
कटक (उडीसा) अब 2747, मिनर्वा लेन काश्मीरी
गेट, दिल्ली-6
(अन्तरिक)
2. श्री रजनीश कुकरेजा पुत हरीश कुकरेजा निवासी
ए-9, अंजीरपुर औद्योगिक भेत्र, नई दिल्ली-52
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए नायंवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकेप :—

(न) इस पूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से
किसी अविक्षय द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृश गम्भीरों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही प्रथं द्वारा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 300 वर्ग गज, प्लाट नं० 83, वैस्ट एवेन्यू
रोड पंजाबी बाग, गांधी मादीपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित
है।

डी० पी० गोयल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के वधीय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-2

4/14क, आसफजली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, विनोंक 9 अक्टूबर 1979

निदेश सं० प्राईंटी० ए० सी० ०/एन्यू०-III/10-79/399—
यतः, मुझे, डी० पी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के वधीय सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० 3/8 हिस्सा मकान नं० 846 बार्ड नं० 16,
है, तथा जो ब्लाक एक्स, डब्ल्यू० इ० ए० करोल बाग, नई दिल्ली
में स्थित है (ओर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित
बहुत्थ थे उक्त सम्बरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कही करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्लन या प्रम्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, हिसाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसूचण में,
मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. श्री लखन लाल पुन्न सेठ लक्ष्मन दास निवासी 2 बी०/1,
गंगाराम होस्पिटल रोड, राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. कुमारी बी० के० श्री पुन्नी श्री बह्या व कुमारी
बी० के० रेनु पुन्नी श्री बह्या निवासी 25, न्यू रोहतक
रोड, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके उपर्युक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविन में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
प्रयं होगा, जो उम्म प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3/8 हिस्सा (अविभाजित) मकान जिसका नं० 486
बार्ड नं० 16, ब्लाक एफ, डब्ल्यू० इ० ए० करोल बाग, जोशो रोड,
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

उत्तर :	मकान जिसका खसरा नं० 198/31
दक्षिण :	मकान जिसका खसरा नं० 200/31
पूर्व :	सड़क
पश्चिम :	गली ।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०-3/10-79/400—
यतः, मुझे, ही० पी० गोयल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के प्रतीत सभी प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 10211 ब्लाक एस० है, तथा जो उम्मीद
ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-2-1979
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का नाराग है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों)
प्रोर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए
तथा पाया गया विकल्प, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से ही किसी प्राय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(क्ष) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः यद्युपि उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

1. मैं लेखराज चानना एण्ड सन्स (हि० आ० प०) द्वारा श्री
लेख राज चानना (करता) 14 ए/317 'उम्मीद
ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली (2) श्रीमती
सरला खुल्लर निवारी 3 बी/5 पूर्वी मार्ग नई दिल्ली
(3) मैं एस० आर० चानना एण्ड सन्स द्वारा पार्टनर
श्री एस० आर० चानना निवासी 9 ए/31 उम्मीद
ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली (प्रस्तरक)

2. मैं द्वारा विहारी लाल बन्दर (हि० आ० प०) द्वारा विहारी
लाल चन्दोक निवासी 270 तिलक बाजार दिल्ली
(2) मैं चाव प्रकाश एण्ड सन्स (हि० आ० प०)
द्वारा चाव प्रकाश (करता) 41 पूसा रोड नई दिल्ली
(अन्तरिती)

3. (1) मैं मैं बेकर (इंडिया) प्रा० लि०,
(2) इंडियन बैंक,
(3) एस० आर० चानना एण्ड सन्स,
(4) मोहन शर्द्दस एसोसिएट्स,
(5) ग्रोम प्रकाश दर्शन लाल,
(6) जौली फुट वियर (इंडिया),
(7) लैदर लिंक्स
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधी व्यवस्था:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर वर्द्दों का जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक छाई मंजिला मकान जो प्लाट क्षेत्रफल 444 वर्ग गज
पर बना है। खसरा नं० 1451/1255 ब्लाक एस० जिसका
म्प्रिनिसिपल नं० 10211 है वैस्टरन एक्टेन्शन एरिया करोल
बाग नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है:—

उत्तर	: सड़क
दक्षिण	: सड़क
पूर्व	: मकान नं० 1452/1255
पश्चिम	: मकान नं० 1450/1255

डी० पी० गोयल
सभी प्रायिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु-III/10-79/401—
यतः, मुझे, ई० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० आर०-710 है, तथा जो नया राजिन्दर नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न रेखांतरित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती विद्यावती पटेन एम० एन० मेहता निवासी आर-710, न्यू राजिन्दर नगर नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री श्रीम कुमार आई० ए० एस० व श्री विमल कुमार पूर्वगण डा० हरिकिशन दास निवासी बी 342 नया राजिन्दर नगर नई दिल्ली
(अन्तरक)

3. श्री श्री० पी० सोनी व अशोक कुमार मेहता
(वह श्वकिन, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक छाई मंजिला मकान जिसका नं० आर-710 क्षेत्रफल 200 वर्ग गज नया राजिन्दर नगर नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: सर्विस लेन
पश्चिम	: सड़क
उत्तर	: आर 709, नया राजिन्दर नगर नई दिल्ली
दक्षिण	: माईल रोड।

पी० पी० गोयल
सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-10-1979
मोहूर :

प्रलेप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III' दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश स० आई० ए० सी०/एन्यु०- /10-79/402--
यतः मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० एन-24 है, तथा जो मालवीय नगर नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालयनार्थ
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, फरवरी 1979 में
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित
में बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० राम कृष्ण खतरी पुत्र स्वर्गीय श्री गोविंद राम
खतरी निवासी 11901, बचबंदी लेन गेयरस्ट्रू मेरी
लैंड (य० एस० ए०) अव निवासी एन-23, मालवीय
नगर नई दिल्ली द्वारा श्री भीम सेन सपरा पुत्र
स्वर्गीय महान लाल सपरा निवासी जे-145, अन्तरक
विहार नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री जे० सी० गांधी पुत्र स्वर्गीय श्री शांति लाल
गांधी निवासी एक-95, लाजपत नगर नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान न० एन-23 मालवीय नगर नई दिल्ली जो लीज
होल्ड प्लाट क्लोनफर 200 वर्ग गज पर स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-/10III-79/403—

यतः, मुझे, दी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा आया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बी-42 है, तथा जो ज्योति नगर (पूर्व) लोनी
रोड शाहदरा दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबंध अनुमूची
में और पूर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्या-
लय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव यापा
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उभन अन्तरण गिरिया में
आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए,
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधारा (1) के
अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3-316GI/79

1. श्री मनोहर लाल बन्सल पुत्र चन्दगीराम 4/21 जयदेव
पांक रोहतक रोड दिल्ली (2) रमेश चन्द जैन
पुत्र श्री छोटे लाल 4345, गली बाहू जी सदर बाजार
दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री राजिन्दर सिंह अलध पुत्र रतन सिंह अलध, 1196,
रोहताश नगर शाहदरा दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वातंत्र सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोद्धाराकारी के पास
निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

एक रिहायशी प्लाट नं० 42 ल्काक बी शेक्फल 533.3
वर्ग गज जो कालोनी ज्योति नगर (पूर्व) लोनी रोड शाहदरा
दिल्ली जो खसरा नं० 869 गांव गोकलपुर शाहदरा में निम्न
प्रकार स्थित है:—

उत्तर : दूसरों की भूमि
पूर्व : सविस लेन
पश्चिम : मेन रोड
दक्षिण : प्लाट नं० बी/41।

श्री० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०-----

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-2

4/14क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 111/10-79/404—श्रतः
मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिस की सं० 1/17 है तथा जो पुराना राजिन्द्र नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 16-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त प्रतिक्रिया विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के वधीन कर देने के प्रत्यक्ष के लायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बत या अन्य प्राप्तियों को छिन्ने भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

एक ढाई मंजिला मकान नं० 1/17 पुराना राजिन्द्र नगर नई दिल्ली में निम्न लिखित प्रकार स्थित है।

उत्तर पश्चिम : सड़क 30 फूट चौड़ी

दक्षिण पूर्व : सर्विस लेन

उत्तर पूर्व : साइड रोड़

उत्तर पश्चिम : मकान नं० 1/18

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-१

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्त्तात् ।—

दिनांक : 9 अक्टूबर 1979

मोहर :

प्रलूब आई० डॉ० एन० एस०

आयहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तद्रायह प्राप्तकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-2

4/14 क, आसफगंजी रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एय०-III/10-79/405—प्रतः
मुझे, डी० पी० गोयल

आयहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सम्रात प्रधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, विष्वास उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० 4ए/31 है तथा जो पुराना राजिन्दर नगर
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 20-2-1979 को

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
राशि तक तिरंगतारीत को गई है और यूसूप यह विष्वास
करने का कारण है कि उपायुक्त समाति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
पद्धति प्रतिगत से व्यविधि है और प्रस्तुरक (पन्तरकों)
और प्रस्तुरियों (पन्तरियों) के बोत ऐसे प्रस्तुरण के लिए
तथा धारा 9 तक्तार सम्मतिवित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

मरणों पर ही हिसो प्राप्त की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तुरक के
व्यापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी नियो प्राप्त या हिसो प्रत या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिंगने में
सुविधा के लिए;

प्रत: प्रद, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यस्ता:—

(1) श्रीमती कुत्ती देवी पति स्वर्गीय श्री करम चन्द खन्ना
निवासी 4ए/31 पुराना राजिन्दर नगर नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री दर्शन लाल पुत्र शंकर दास निवासी टी-311, बलजीत
नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के प्रमाण में कोई भी व्याकेप—

(क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 4ए/31 पुराना राजिन्दर नगर नई दिल्ली
लीजहोल्ड प्लाट पर निम्न प्रकार स्थित है:—

उत्तर : गली

दक्षिण : गली

पूर्व : सरकारी बना मकान

पश्चिम : सरकारी बना मकान

डी० पी० गोयल
सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकल कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

दिनांक : 9 अक्टूबर 1979

मोहर :

प्रहर शाई० ५० रु० ५०-----
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1
4/14 का, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/10-79/406—
अतः मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन निम्न प्राधिकारी ने, यह विश्वास करने का कारण
है कि इयाकर समिति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जे-8/111 है तथा जो राजोरी गार्डन नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 7-2-1979 को

पूर्वोक्त समिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्तिस की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समिति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिमत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रमत्तरकों)
और प्रत्यक्षितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष
निवित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) प्रमत्तरण से कुई किसी दाय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा हिसी दाय या हिसी उत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, आ
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रथोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के मनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री ध्यान सिंह पुत्र गंडा सिंह निवासी जे-8/111
राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विनीता सचदेवा पत्नि डा० राजिन्द्र कुमार
सचदेवा निवासी 7055, बेरी बाला बाग, पुल बंगेश
दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरोप एक पूर्वोक्त समिति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त उम्मति के प्रबंधन के मम्मन्य में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस मूलता के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समिति में हितवद
किसी अन्य अविक्षि द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रथे होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लाट नं० जे-8/111 थेन्कल 160 वर्ग गज पर
बना है राजोरी गार्डन, गांधी ततारपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में
स्थित है।

डी० पी० गोयल,

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यु-III/10-79/407—

यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उका अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है।

ओर जिसकी सं० प्लाट नं० 39 फ्लास सी है, तथा जो वैस्ट
एवेन्यू रोड पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ओर इससे
उपाग्रह अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता,
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियंत्रण में अन्तरित रूप से लिया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः ग्राम, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, प्रवत्ति:—

1. श्री प्यारा सिंह अमर जीत सिंह पुनर्गण स० संता सिंह
निवासी 327 व 328, सीलमपुर फेज-III शाहदरा
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जसबीर सिंह व जनकबीर सिंह पुनर्गण स० राम
सिंह निवासी 21/56, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयित्वों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया
गया है।

बन्धुसूची

एक फी होल्ड प्लाट नं० 39, वैस्ट एवेन्यू रोड, फ्लास
सी थोकफल 555,55 वर्ग गज कालोनी पंजाबी बाग, गांव
मादीपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है।

उत्तर : सर्विस लेन
दक्षिण : वैस्ट एवेन्यू रोड
पूर्व : प्लाट नं० 37
पश्चिम : प्लाट नं० 41

डी० पी० गोयल
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-III/10-79/408—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है और जिसकी सं० 3 ए-83 है, तथा जो इन्दरपुरी ऐक्सटैन्शन नई दिल्ली में स्थित है और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रकारक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसा किसी आय या दिनी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अन्यकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहाँ किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्पता।—

1. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र हरनाम दाम निवासी ह० ए० 83 इन्दरपुरी ऐक्सटैन्शन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री अमृत के० चड्ढा पुत्र श्री वी० पी० चड्ढा निवासी जी-149, नारायण विहार, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अंतर्गत में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्राही एवं ला, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लाट नं० ई० 83 क्षेत्रफल 200 वर्ग गज पर बना है इन्दरपुरी ऐक्सटैन्शन, नई दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III नई दिल्ली-1

तारीख : 9-10-1979
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु-III/10-79/409—
यतः, मुझे, भी० पी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन उत्तर प्राविहारी को, यह विश्वास करने का कारण
है यह स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

ओर जिसकी सं० 13/30 है, तथा जो अजमल खां रोड, डक्टल्य०
इ० ए० करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ओर इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 फरवरी 1979
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करा जा सकता है कि यथापूर्वोक्त समाजि का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
पञ्चवें प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उपाय या प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ममतरण
निम्नलिखित रूप से कठित महीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण पे इई किसी प्राय को बदल उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में हमी उक्त या उसमें उच्चन में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी ग्राम या किसी बन या अन्य ग्रामियों
को जिन्हे भारीव आपात अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अवधार :—

1. श्रीमती हरमिन्दर कौर बनाम मोहिन्दर कौर पत्नी
ब्रिलोक मिह चावला निवासी 1/6 बी, पूसा रोड,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शोभा रानी पर्सि बी० डी० मेहरा निवासी
ए-9, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
सार्वान्वित करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रत्येक या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवर्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताशीरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

उपर्योगरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कर्मशियल मकान नं० 13/30 थेन्टफल 256.67
वर्ग गज, अजमल खां रोड, डक्टल्य० इ० ए० करोल बाग, नई
दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है :—

उत्तर : सड़क

दक्षिण : लेन

पूर्व : अजमल खां रोड

पश्चिम : प्लाट नं० 29।

भी० पी० गोयल,
सभम प्राधिकारी,

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, विल्ली-1

नई दिल्ली-2, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु-IIIJ/10-79/410—
यतः, मुझे, ई० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एस-4 है, तथा जो ग्रान पार्क एक्सटैन्शन
(मार्किट) नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उत्तरवद
अन्सूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाश्चा
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भाग्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रसः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवक्तियों पर्याप्तः—

1. श्री परमेश्वर नाथ मदान 2123, सेक्टर 15-सी
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. मैं सुरेशचन्द्र जैन (तिं० श्र० प०) बी-1/30 ए
होज खास इन्कलेय, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. मैं एक्सपोर्ट इण्डिया कारपोरेशन बी-1/30-ए होज
खास इन्कलेय, नई दिल्ली। (वह व्यक्ति, जिसके
प्रधिभोग में गम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यावहित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो थी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिवित में लिए जा सकेंगे।

स्वाक्षी हरणः—(1) प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रधानाय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

द्वाई मंजिला मकान जो पी होल्ड कमर्शियल प्लाट नं० 4
ब्लाक एस क्लेकफल 200 वर्ग गज (167.441 वर्ग मीटर)
कालोनी श्रीन पार्क एक्सटेन्शन गांव युमुक सराय जाट जो दिल्ली
कुतुब रोड पर है निम्न प्रकार स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० एस-3

पश्चिम : मकान नं० एस-5

उत्तर : सड़क

दक्षिण : लेन

डी० पी० गोयल,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रेरूप आई० ई० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली-2, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु-III/10-79/411--
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-वं के अधीन नक्षम प्राधिकारी का यह विश्वाय करने
का लाभ है कि स्थान पर्याप्ति, नियमका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ई० से अधिक है।

और जिसकी सं० 13/22 है, तथा जो डब्ल्यू० ई० ए० करोल
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 19-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने
का कारण है कि प्रयायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वान्नविक
रूप में कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रवीन करदेन के अन्तरक के शर्तियों में
इस करने या उसमें उन्ने में नियित के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या एवं याहिनियों को
है तार्तीय आद्यकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन्यकर
अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयाजनार्थ
अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था, पा किया
जाना चाहिए था, छिपाने में युक्तिशाली के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वं के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-316GI/79

1. श्री धर्मपाल अनेजा, मदन गोपाल अनेजा, राजिन्द्रा
अनेजा व कृष्ण गोपाल अनेजा पुत्रगण जी राम दिता
मल निवासी 3929, गली नं० 28, रेगपुरा करोल
बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह पुत्र स्व० श्री सुन्दर सिंह
- (2) श्री सुरिन्द्र पाल सिंह
- (3) उपकार सिंह
- (4) बजपाल सिंह
- (5) अरविन्दर पाल सिंह पुत्र गण श्री करतार सिंह
निवासी 5-नार्थ एवेन्यु रोड पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संति के प्रत्रन के मंबंध में कोई भी याकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तापीन मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मापाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
हिसो बाहित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मकान नं० 13/32, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली
जो प्लाट क्षेत्रफल 284 वर्ग गज है, निम्न प्रकार स्थित है :—

उत्तर : प्लाट नं० 31

दक्षिण : प्लाट नं० 33

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस लेन ।

डी० पी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/10-79/412—
यतः मुझे, भी० पी० गोयल,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन वक्षम प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है।
और जिसकी सं० 53/42 है, तथा जो राम जस रोड डब्ल्यू०
ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अन्मूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 फरवरी 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और प्रतिरक्त (प्रतिरक्त) और अन्तरिती
(प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण विभिन्न
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिरण से दुई किसी धार्य की वापत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने से प्रतिरक्त के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय धार्य-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए।

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सन्त राम आनन्द पुत्र श्री स्व० किरणा राम आनन्द
निवासी 53/42 रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली,
ले फिटनेन्ट क० टी० एन० आनन्द, के द्वारा
(अन्तरक)

2. श्री सुन्दर लाल तथा रमेश चन्द्र पु०/श्री पिल मल
निवासी 4431, क्लोथ मार्किट, फतेहपुरी, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी] करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम/ के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

द्वाई मंजिला मकान घेवफल 267.7 वर्ग गज जिसका
प्लाट नं० 42 ब्लॉक 53, रामजस रोड डब्ल्यू० ई० ए० में
स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्रायिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

तारीख : 9-10-1979
मोहर :

प्रधान प्राईंटी० एम० एस०————

आशुवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ख (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-३/१०-७९/४१३—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० 57/18 है, तथा जो ओल्ड राजिन्दर नगर
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) अधीन, तारीख 6 फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
बसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अस्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से अन्तर नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर दने के अस्तरक
के वायिक में कमी करने या उक्त सम्बन्ध में
मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भाव या घम्य प्राप्तियों
को जिन्हे मारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, उपरोक्त
में सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ख के
अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की भारा 269-ख की
उप-भारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अविवादी, अवादी ।—

1. श्री प्रेम प्रकाश नारेंग पु० श्री शिव नारायण निवासी
57/18 ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्रीमती कौलाश देवी पत्नी श्री कृष्ण लाल निवासी 2439,
गली नं० 11, बीड़नपुरा करोल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी अविक्षयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में
से किसी अविक्षय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इतिवाद
किसी घम्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उत्तरांकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20 के परिभावित हैं, वही घम्य होगा, जो उक्त प्रधाय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० ५७/१८ जो प्लाट क्षेत्रफल ४४ वर्ग गज
पर बना है, पुराना राजिन्दर नगर नई दिल्ली निम्न प्रकार से
स्थित है:—

उत्तर में : सड़क
दक्षिण में : बुली सड़क
पूर्व में : सर्विस लेन
पश्चिम में : मकान नं० ५७/१८।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1,

तारीख : ९-१९-१९७९

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

संघीय, सहायक पायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-३/१०-७९/४१४—
यत्, मुझे, डी० पी० गोयल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ए
के प्रधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है नि स्थापन नहीं, जिपन उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जे-9/64 है, तथा जो राजोरी गाँड़न नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 8-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
गढ़वा गतिगत वर्तिनी वोट अन्तर (प्रत्यक्षी) और
अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिक्रिया, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त प्रतरण,
निवित म वास्तविक था न हाँवन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने दूर्दि किसी प्राप्त की बाहर उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविष्ठा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या निसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
अन्तर कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुधारा के लिए ;

यत् : अय, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-ए(1) के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम, की वारा 269-ए(1) की उपस्थाना (1)
के अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

1. श्री सिवम्बर सिंह बनाम सातम्बर सिंह पुत्र श्री प्यारा
सिंह निवासी लाखड़ुहा, तहसील नवां शहर जलन्धर
ग्राम 4/3097, रणजीत नगर नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री हंस राज रावल पुत्र बग्गा मल रावल निवासी
जे-5/67, राजोरी गाँड़न नई दिल्ली
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शिल्प
किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, प्रधोरस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही मर्यादित होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुसूची

फी होल्ड प्लाट नं० 64 ब्लाक जे-9, क्षेत्रफल 320
वर्गमीटर, रिहायशी कालोनी राजोरी गाँड़न, गांव ततारपुर दिल्ली
राज्य दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है:—

उत्तर : प्लाट नं० जे-9/65 (बना दुश्मा मकान)

दक्षिण : प्लाट नं० जे-9/63 (बना दुश्मा मकान)

पूर्व : मकान नं० जे-9/3

पश्चिम : सड़क

डी० पी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रख्युप शाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश मं० आई० ए० मी०/पक्ष्य०-3/10-79/415—
यतः मृम् डी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाण्डात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन भक्षम प्राधीन सारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 61/12 है, तथा जो पुराना राजिन्दर नगर
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 13-2-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम् यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी ग्राम की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ब) नेमी (नेमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922
(1922 नं० 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रोजेक्टर अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम ती धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्रीमती मुश्तिला देवी, वीरन -वी, शकुन्तला देवी विद्यावती,
लीलावती निवासी सभी, 33/57 रामजत रोड
करोल बाग, नई दिल्ली
(प्रत्तरक)

2. श्री तीरथ राम पुत्र श्री मूल चन्द निवासी 61/12 पुराना
राजिन्दर नगर नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हो गी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छाई मंजिला मकान नं० 61/12 जो 85. 9 वर्ग गज में
बना है, पुराना राजिन्दर नगर नई दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है :—

पूर्व में : सड़क
पश्चिम में : मर्मिस लेन
उत्तर में मकान नं० 61/11 पुराना राजिन्दर नगर नई
दिल्ली।
दक्षिण में : मकान नं० 61/13 पुराना राजिन्दर नगर
नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

मीहर :

प्रकृष्ट प्राईंस टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त
269प (1) के अधीन मूल्यना

भारत सरकार

- कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-2

अर्जन रेज-3, दिल्ली

नई दिल्ली-3, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० प्राईंस ए० सी०/एक्यु-3/10-79/416—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के
प्रधीन सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
अधिक है।

और जिसकी सं० 340/1 है, तथा जो जी० टी० रोड़, शाहदरा
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख फरवरी 1979 की
पूर्वों संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए प्रतिफल की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंकृत संपत्ति ना उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्द्रहरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्द्रहरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) पन्द्रहरण से हुई किसी प्राप्ति को बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, इ अधीन कर दत के पन्द्रहरण के अधिकृत
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसो किसी ग्राम शासी व्रत व अन्य व्यक्तियों
को जिन्हें भारतीय प्राधिकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावधि
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० बुधवार एण्ड क० द्वारा श्री जगन्नाथ पुत्र लाला
रामरूप (प्रोप्राइटर) निवासी 340/1 जी० टी०
रोड़, शाहदरा दिल्ली
(अन्तरक)

2. मै० एलोरा इन्डस्ट्रीज 340/1 जी० टी० रोड़ शाहदरा
द्वारा इनके पाठीनर भी राजिन्वर कुमार छावड़ा
पुत्र श्री शाम लाल
(अन्तरिती)

को यह मूल्यना जारी करके पूर्वोंकृत संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्ति का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक वर्कशेप ग्रैंड नं० 3401, जो जी० टी० रोड़,
शाहदरा दिल्ली -32 में स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी•एन•एस।

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-4, विल्ली-2

नई दिल्ली-2, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं। प्राईंटी ए० सी०/एस्यु-३/१०-७९/४१७—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, अदृ विश्वान करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं। प्लाट नं। 16 सड़क नं। 40 है, तथा जो
पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 26-२-१९७९ को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान
करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में कुई किसी प्राय को बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या जिसी धन या अस्ति यों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

यतः पर, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा की उपस्थान (1)
के अधीन, निम्ननिम्नित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुभाष चन्द्र पुत्र नगिन्दर नाथ निवासी डी-131,

पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री सागर मल पुत्र मंगली राम श्रीमती धनपति देवी
पत्नि नौरंग राय निवासी 12/52 पंजाबी बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना प्राप्ति सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए लायन्वाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के वस्त्रमें कोई भी आश्रेष्ट :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या सुसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की वामील में 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के गतपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अस्ति व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे ।

प्रकाशन :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अस्त्राय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयोग दोनों जो उस अस्त्राय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं। 16 सड़क नं। 40 क्लास डी० थेकफल 279.55
वर्ग गज कालोनी पंजाबी बाग गांव मादीपुर विल्ली में निम्न-
प्रकार से स्थित है :—

उत्तर :	सर्विस लेन
दक्षिण :	सड़क
पूर्व :	प्लाट नं। 14
पश्चिम :	प्लाट नं। 16-ए ।

डी० पी० गोयल,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-III, विल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रलूप पाई० डी०एस० एस०--
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु-३/१०-७९/४१८—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है और जिसकी सं० 4/618 है तथा जो भोला नाथ
नगर शहर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 23-2-1979
को पूर्वोंत प्रमाणि ने उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत
प्रधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षी (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिक्रिया, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त प्रभाव लिखित में
व्याख्यात रूप से किया गया है :—

(क) प्रभावण से तुझे किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायित्र ये
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिन प्राय या किसी बन या अन्य आविष्यों की,
जिन्हें पारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम
प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविष्यों अर्थात् :—

1. श्री जगदीश राज गरोवर पुत्र श्री कृष्ण राम गरोवर
निवासी 1 एफ 4 लाजपत नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्रीमती कान्ता देवी जैन प० श्री दीप चन्द्र त्रैमिश्वामी
4/618 भोला नाथ नगर, शाहदरा दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरक पूर्वोंत प्रमाणि के अर्जन के
लिए कार्यवादियों करना है।

इस प्रमाणि के अर्जन के सम्बन्ध में नोट भी प्राप्त है :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र पे प्रकाशन से तारीख से
45 दिन की अवधि या तक्षणीय अविष्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के सीतर पूर्वोंत
अविष्यों में से किसी अविष्य द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन से तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रम्य अविष्य द्वारा, प्रधानस्तानी के पास
स्थिति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त प्रविनियम के अन्यान 20-क में परिचायित है,
वही पर्व होगा, जो उस अव्याप में दिया गया है।

प्रमुख

एक भी होल्ड रिहायशी मकान मु० नं० 252-ए/३ के
और अब 4/618 असरा नं० 624 मिन का हिस्सा, खेवट नं०
1 गांव चन्द्रावली अवादी भोला नाथ नगर, ज्वाक डी० एस०
इसका शाहदरा नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व में : सड़क 14 वाई०
पश्चिम में : सड़क 8' वाई०
उत्तर में : प्लाट नं० 116 और मु० नं० 4/619
दक्षिण में : प्लाट नं० 114 और मु० नं० 4/617

डी० पी० गोयल,
सभी प्राधिकारी,

सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-ग(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-3/10-79/419—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ग
के प्रधीन सब्जम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से अधिक है

और जिसकी सं० 19½ बीसवा (983 वर्ग गज) है, तथा
जो गांव नवादा दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
है और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख 28-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से छम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुसूचित की वई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रस्तरक (प्रस्तरकों)
और अनुसूचित (अनुसूचितियों) के बीच ऐसे अनुसरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण
निम्निति में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया जाया है :—

(a) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(b) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अनुसूचिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, जिसमें में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविनियों पर्याप्त :—

2-316GI/79

1. श्री रतन लाल, भूत सिंह, देस राम, मोहन लाल,
राम चैल, धर्म सिंह, नन्द लाल, भगवान वास पुत्र श्री
भोला निवासी गांव नवादा, दिल्ली राज्य दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री नानक चन्द पुत्र श्री साधू राम निवासी 63, एम०
एम० मोतिया खान, पहाड़गांज दिल्ली
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी अविनियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविनियों में से किसी अविनियत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविनियत द्वारा, प्रशोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्यक्षीकरण :—इसमें प्रस्तुत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का एक टुकड़ा 19½ बीसवा (983 वर्ग गज)
खसरा नं० 674, गांव नवादा, माजरा हस्तल, दिल्ली राज्य
दिल्ली ।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एम०एस०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, दिल्ली-1,

न दिल्ली-1, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-३/१०-७९/४२०—यतः
मुझे, डी० पी० गोयल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इये
से अधिक है।

और जिसकी सं० 19½ बीसवा (983 वर्ग गज) है, तथा
जो गांव नवादा दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि प्रयोग्योक्ता सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिक्रिया गे, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रमुख (प्रमुखरक्तों) और
प्रमुखियों (प्रमुखरक्तियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उत्तर से उक्त प्रमत्तरण लिखित अं
बास्तविक रूप से रुक्षित नहीं किया गया है :—

(क) प्रमत्तरण में ही किसी दाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर हेने के प्रमत्तरक के
बायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के निए; और/या

(ख) ऐसों जिन पाँच या छिसो धन या अन्य प्राप्तिरक्तों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रनतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिसो
में सुविधा के सिए;

अथवा यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के प्रनुसार
में, मैं, उक्त प्रतिक्रिया, की धारा 269-वा की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवितरीय, अर्थात् :—

1. श्री भगवान दास, मन्द लाल, राम चैत, धर्म सिंह,
रतन लाल, सूरत सिंह, दया राम और मदन लाल
पुत्र श्री भोला निवासी गांव नवादा, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री बाल चन्द्र पुत्र श्री साधू राम निवासी एफ-136
फेस-2 रिवाड़ी लेन, मायापुरी, विल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरबद्ध अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू
किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताभारी के आप
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भावित है, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का टुकड़ा 19½ बीसवा (983 वर्ग गज)
खसरा नं० 674 गांव नवादा भाजरा हस्तल दिल्ली राज्य दिल्ली
में स्थित है।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंत रेंज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०-III/10-79/421—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 7/81 है, तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है
और मुझे यह विवास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गमा प्रतिफल
निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित वे वास्तविक रूप
से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रधारक के वायित में
कमी बरने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भान या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें मारसीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावं
प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यथा। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
प्रधीन, विमालित अधिकारी, अर्थात् ।—

1. (1) श्री ले० कर्नल जोगिन्दर सिंह धोदी स्वयं व
दली सिंह के अटारनी (2) कर्नल गुरचरन सिंह
धोदी (3) सुरिन्दर सिंह धोदी पुत्रगण स्व०
मेजर गोपाल सिंह फतेह निवासी 7/71, पंजाबी बाग
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री शाम सुन्दर पुत्र लाजपत राय
(2) नरेश कुमार पुत्र शाम सुन्दर निवासी 7/81
पंजाबी बाग (3) कमला रानी पति शाम सुन्दर
निवासी 7/81 पंजाबी बाग नई दिल्ली
(अन्तरिती)

जो यह सूचना बारो फरक पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए
आर्याद्विया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और फर्दों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वहों प्रबं
हीण जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7 सड़क नं० 81 क्षेत्रफल 555.55 वर्ग गज
कालोनी पंजाबी बाग, गाँव मादीपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में
निम्न प्रकार स्थित है:—

उत्तर : प्लाट नं० 5 (बना हुआ मकान)
दक्षिण : प्लाट नं० 9 (खाली)
पूर्व : सड़क नं० 81 (30 फुट चौड़ी)
पश्चिम : सर्विस लेन (15 फुट चौड़ी)।

डी० पी० गोयल
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजंत रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2
तारीख : 9-10-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एच० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

साधारण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सु-III/10-79/422—
यहाँ, मुझ, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा एन-19 का है, तथा जो ग्रीन पार्क,
एक्सटैनशन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टाधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 21 फरवरी 1979
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रष्ठिक है और प्रत्यक्ष (प्रस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने वें सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बच या अस्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रमोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

लेतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवताः—

1. श्री सत्य प्रकाश ग्रन्थालय पुस्तक श्री सेख राम अग्रवाल
निवासी 22 असीदा कुटीर 217-सी माऊन्ट मैरी रोड,
बांदरा बम्बई

(अन्तरक)

2. श्री इन्द्रजीत सिंह पुस्तक श्री द्वारा पाल एण्ड
एसोसिएट्स जी-48, ग्रीन पार्क नई दिल्ली
(अन्तरिती)

जो यदि सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अस्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

लप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा प्लाट नं० एन-19 खेतफल 333 वर्ग गज
(सारा प्लाट 666 वर्ग गज) ग्रीन पार्क एक्सटैनशन नई दिल्ली
में स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979
मोहर :

प्रकृष्ट शाही० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० शाही० ए० सी०/एस्यु-III/10-79/423—
यतः, मुझे, डी० पी० गोपल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति विस्तृत बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा एन-19 का है, तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटैनशन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा॒ प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण मिलित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी बन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः पर उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरमें, में, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ग की उपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, पर्याप्तः—

1. श्रीमती सीता देवी पर्सी बेब प्रकाश बनस्पति निवासी 57/20 अशोक नगर नई दिल्ली
(प्रन्तरक)

2. श्रीमती ईश्वर कौर पति गुरबालग सिंह निवासी एफ-62 ग्रीन पार्क नई दिल्ली
(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पति के पर्वत के संबंध में कोई भी प्राप्तेव :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तस्वीरन्वशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकाली के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही प्रथं हीमा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा प्लाट नं० एन-19 अक्टूबर 333 वर्ग गज (सारा 668 वर्ग गज) ग्रीन पार्क एक्सटैनशन नई दिल्ली।

डी० पी० गोपल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, विल्ली-2

नई दिल्ली, विनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्ट०-III 10-79/424—
यतः मुझे, डी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सी-19 है, तथा जो मालवीय नगर नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथियों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राम्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए पा छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम को भारा 269-ए के
प्रनुस्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की
उपलादा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरिन्दर नाथ शर्मा पुत्र मुसलमानी राम निवासी सी-19,
मालवीय नगर नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री धारा सिंह निवासी एच-314,
मालवीय नगर नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में में
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध द्विसी
ग्रन्थ अवित्त द्वारा, प्रधानहस्ताक्षरों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

मनुसूची

मकान नं० सी-19, जो प्लाट नं० 291 वर्ग गज पर
बना है, मालवीय नगर नई दिल्ली-110017 में स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, विल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रलूप पाई० टी० एन० एस०
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली, विनांक 17 अक्टूबर 1979

गिरोण सं० आई० ए० गो०/एक्य०-२/फरवरी-७५/४९६५—
यतः, मुझे, आर० बी० ए८० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० बी०-७/३७ है, तथा जो राजपुर रोड सिविल
लाइन्स दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), गंजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये प्रमाणित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिक्षत अधिक है और प्रमाणित (प्रमाणित) और प्रमाणिती
(प्रमाणितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिक्षत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमाणण लिखित में
कास्त्रिक रूप में संचित नहीं किया गया है :—

1. मै० सिधिया इनवैस्टमैट प्रा० लि० मुख्य आफिस
गवालियर, मध्य प्रदेश।
(अन्तरक)

2. श्री रविन्द्र सिंह, अजय सिंह व राजेश सिंह निवासी
145, गुजरांवाला टाऊन, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारो हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी पालेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रोत्साहिती के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

(क) प्रमाणित से ही किसी प्राप्त की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कामी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

प्लाट नं० बी०-७/३७ ऑफिसल ४९० वर्ग मीटर, राजपुर
रोड सिविल लाइन्स, दिल्ली में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावें अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए
वा या, छिपाने में सुविधा के लिए;

आर० बी० ए८० अग्रवाल

सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 17-10-1979
मोहर :

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः :—

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269 घ (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली,

नई दिल्ली-I, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू/एस० आर०-III/2-79/
1011—यतः, मुझे, कुमारी अंजनी ओजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के प्रधीन सकार प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषक भूमि है, तथा जो गांव बिजवासन
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
(1908-1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 फरवरी 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिक्रिया
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिक्रिया से ऐसे बृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धति प्रतिक्रिया से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण विवित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया
गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर लेने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालै
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचाय (1) के
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचाय (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, अधीतः—

1. श्री करतार सिंह सपुत्र श्री लक्ष्मी राम पता बिजवासन
अमेनी फोर मीर सिंह सपुत्र श्री रमेश पता बिजवासन,
तहसील महरौली, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीवेद प्रकाशदिवान सपुत्र श्री अमर नाथ दिवानपता
ई-37, शास्त्री नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वानि अविक्षयों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से
किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्तानी के पास निम्नलिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कृषक भूमि जिसका नाप 19 विधा 1 बिसवा एक्ट नं०
33 किला नं० 16 (4-13) 25 (4-16) 209-34,
कृषक भूमि जिसका नाप 19 विधा 1 बिसवा एक्ट नं०
33 किला नं० 16 (4-13) 25 (4-16) 209-34,
20 (4-16) और 21 (4-16) जो गांव बिजवासन तहसील
महरौली नई दिल्ली में स्थित है जिसका विवरण तथा रजिस्ट्री
दिनांक 3-2-1979 है।

कुमारी अंजनी ओजा
सकार प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11-10-1979
मोहर :

प्रकल्प नं० ३१० दी० एन० रु० - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ८० मी०/एस००/।/एस० आर०-III/2-79/1079/78-79—यतः, मुझे कुमारी अंजनी ओजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, त्रिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो गांव गदयपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुभूति में आगे पुणे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-2-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और इल्लारक (अस्तरकों) और अल्लरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है:—

(१) अस्तरण में हुई किसी व्याय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी हरने या उससे बचने में मुश्किलों के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी व्याय का किसी घन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उसकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधै अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि इस जाता आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उप-घारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात् ।।—

6-316 GI/79

1. भागवती भरत मिहु पुत्री बिहारी लाल, शान्ति पत्नी धर्म सिह पुत्री हंस गाज, चमी पत्नी दिवान सिह, हीरा वती पत्नी अन्तर सिह द्वारा जी० ए० दयाराम निवासी गांव गदयपुर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रभजी मिहु पुत्र आया मिहु निवासी गदयपुर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को ।। सूचना जाने करने के लिए जानकारी के प्रते के लिए कार्यालयी करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में पे किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिनबद्द किसी अन्य अविक्त द्वारा, मध्यस्तानकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूति

कृषि भूमि क्षेत्रफल 7 विघा, खसरा नं० 229(4-9), 231(1-1), 272 (मिन०) (1-10) स्थित गांव गदयपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

कु० अंजनी ओजा,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
[अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1]

तारीख : 18-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1,

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
२-७९/१०७०/७८-७९—यतः, मैं, कुमारी अंजनी ओजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० S-416 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीरी अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 24 फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिरी
(प्रत्यक्षिरियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण निष्क्रिय में
वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्न०८ से हुई छिपा पाय की वादन, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या छिपा धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अधिनियम द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ?

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मेरा उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री विनय मैहता पुत्र श्री रत्यपाल मैहता निवासी
3A/3 आसफ अली रोड नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री मनीषद्वीर सिंह आनन्द पुत्र जसवन्त सिंह आनन्द
निवासी 3A/3 आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।
(ग्रन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा प्रधीन तारीख के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

सम्बोधण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फी होल्ड प्लाट नं० एस-416, ग्रेटर कैलाश-2
नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 556 वर्ग गज है और जिस की
बौद्धरी निम्नलिखित है :—

पूर्व :	सविस लेन
पश्चिम :	रोड
उत्तर :	प्लाट नं० एस-414
दक्षिण :	प्लाट नं० एस-418 ।

कु० अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 19-10-1979
मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस० ——
अधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
संघीय, सहायक अधिकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आ०० ए० सी०/एक्य०/१/२-७९/१०५१/
७८-७९—यतः, मुझे, कुमारी अंजनी ओजा,
आयकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वाम करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इष्ट न अधिक है
और जिसकी सं० 119 है, तथा जो गोल्फ लिंक नई दिल्ली
में स्थित है (और इसके उपावन अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 21-२-१९७९
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्र। की गई है और मुझे यह विष्वाम करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तर्रक (अन्तररकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से इसे किसी भाव की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें उत्तीर्ण आयकार प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रथ, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रकाश वती पत्नी श्री ओम प्रकाश निवासी
25, हनुमान रोड, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री एन० एस० पारथासारथी, एन०, एस० पद्मनाभन,
कु० एन० एस० राज, पुत्री/पुत्री श्री एन० पी० सेशादरी,
निवासी 20/1 लोधी रोड नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टाक्षरारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वतंत्रकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रथ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक 2 1/2 मंजना मकान नं० 119 गोल्फ लिंक नई दिल्ली
जिसका क्षेत्रफल 375 वर्ग गज है।

कु० अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एम०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1 दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
क०-४७/१०४०/७८-७९—यतः, मुझे, कुमारी अंजनी ओजा,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से प्रधिक है

और जिसकी सं० 4 बिधा 16 विद्वा, कृषि भूमि है, तथा जो
गांव गदई पुर तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-
नियम, 1908; (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-1979
की पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित
(प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
विषय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी छन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

प्रत: प्रत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरम
में, मे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती बनजीत कौर धुपीया स्त्री एम० एस० धुपीया
श्री मनजीत सिंह धुपीया पुत्र मेहराबन सिंह धुपीया
पुलिस स्टेन पालियामेंट गली नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलेश नारंग स्त्री के० सी० नारंग डी०-
५१ अशोक बिहार फेज-२ नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह मूला जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी व्यापेः—

- (क) इस सूचना के राजान्न में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं वही प्रयं होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपक भूमि 4 बिधा 16 विद्वा खसरा नं० 315 गांव
गदई पुर तहसील महरौली नई दिल्ली।

कु० अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-10-1979
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रोज़-1, दिल्ली-1
नई दिल्ली-1, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
२-७९/१०३३/७८-७९—यतः मुझे, कु० अंजनी ओजा
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो गांव सुलतान पुर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 14-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निपुण
तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक हुआ नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पार को बाजा उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिती पार या हितों घन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानाय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यां अर्थात्:—

1. श्री शिव लाल पुत्र चानन राम निवासी एम-7, माल-
विया नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. (1) श्री खरेती लाल, पुत्र गोपाल दास निवासी ए-IV/
19, दियानन्द कालोनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली
(1/2)
(2) श्रीमती शीता बन्ती पत्नी राम नन्न, स्वदेश
रानी पत्नी जग मोहन, रमेश कुमार पुत्र राम
लाल (1/2 हिस्सा), निवासी 1552, कोट्ठा
मुम्बारक नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जागे तरके पूर्वोक्त उपति के पर्यावरण के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी अवित्यां पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यां में से किसी अवित्यां द्वारा;

(ख) इस तूतान के रातरा में रक्तान की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितबद्ध
किसी अवधि अवित्यां द्वारा, अवारुद्धाजरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

दण्डीकरण:—इसमें प्रायौद्ध गद्दां और नदां जा, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अवधि होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 14 बीवा 11 बित्तवा, ब्रमरा नं० 749, 748,
747, 750, 751, तलकूप के साथ, स्थित गांव सुलतानपुर,
तहसील महरौली, नई दिल्ली।

कु० अंजनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अंजन रोज़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर म.प्रकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आई० ए० गी०/एक्सु II/ एस० प्रार० III/
2-79/1015/78-79—प्रतः, मुश्त, कुमारी अंजनी ओजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया), की धारा 269व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
प्रधिक है

और जिसकी सं० 28, ब्लाक 205 है, तथा जो स्कूल लैन
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में शाम-
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 5 फ़रवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और पुस्ते यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
प्रतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से
किया नहीं हिया गया है:—

(क) अन्तरण में दूर्वा किसी प्राप्ति को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे वर्धने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसो किसी मायरा किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रय, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्ठा:—

1. श्रीमती अतर कौर पत्नी श्री बलदेव सिंह दुग्गल
निवासी डी-17, एन० डी० एस० सो० पाट-1 नई
दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती जपिन्द्र कौर पत्नी शमशर सिंह निवासी 28
स्कूल लैन, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

ले यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त राति हयरा निवास में रोडे भी भागेव:—

(क) इन सूचना के राजनन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि दा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजनन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
हिसो अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क, में परिभाषित
हैं, वहीं प्रथम होगा, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 28, ब्लाक नं० 205, स्कूल लैन नई दिल्ली
जिसका क्षेत्रफल 330 वर्ग गज है।

अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी०एन०एस०—————

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाराष्ट्र शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/एस० आर०-III/
2-79/1008—यतः, मुझे, कुमारी अंजनी ओझा,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, तिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० ई-163 है, तथा जो कालकाजी नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के फल के दृश्यमान
प्रतिफल के निए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दर
प्रतिशत प्रधिक है, और प्रन्तररु (प्रस्तरकों) और प्रन्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के सिए तर्फ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अनुसरण विभिन्न में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से ही किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विषा
के लिए; और/एवं

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थं प्रस्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपकार्य (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

1. श्री प्रिज भूषण आनन्द श्री मथुरा दास आनन्द आफ
क्वार्टर नं० ई-163 कालकाजी नई दिल्ली-110019
(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल आनन्द श्री मथुरा दास आनन्द मकान
नं० 58 बी डी गांधी नगर जम्मू कश्मीर
(अन्तरित)

नो यह सूचना आरो कर्त्तव्यों के अन्तर्गत के प्रबंधन के
विषय कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूर्वोक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितरण
किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
विवित में किए जा सकेंगे।

उपर्योगरत्वः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

क्वार्टर नं० ई-163 क्षेत्रफल 200 गज कालकाजी नई
दिल्ली ।

कु० अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 19-10-1979
मोहर:

प्रध्य प्राई० टी० एन० एस०—

प्राधिकरण प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निर्वेश सं० आर० ए० सी॒ए॑क्य०/१/एम० ग्राम्य-III/
फर०/1006/78-79—यतः मुझे, कु० अंजनी ओजा,
ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ष
के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि इसके उपरांत विभिन्न वारांश मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है।

और जिसकी सं० 4 बीघा 16 विसवा है, तथा जो गांव सुल्तानपुर
नई दिल्ली में स्थित है (ग्राम्यकर इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 22-2-1979

को ग्रूवॉक्स सम्पत्ति के उचित वारांश मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की यई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वारांश मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों)
के तीन ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या,

(ख) नीमा किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को;
जिन्हे भारतीय ग्राम्य-कर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भनन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम को आरा 269-ष के अनुसरण में
में, उक्त प्रधिनियम, की आरा 269-ष की उपावदा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्द्धतः :—

1. श्री राज पाल पुत्र श्री धूनी राम गांव सुल्तानपुर
तहसील महरौली, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री भूप सिंह हरबन्स सिंह चन्द्र सिंह
आजाद मिह पुत्र श्री करन सिंह गांव सुल्तानपुर
तहसील महरौली, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आगे नहीं उक्ति के अर्जन के लिए
कार्यवादियों करता है।

उक्त समाज के प्रधन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रेषः —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितवद्ध किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नोद्दाशकरी के पास लिखित
में किए गए नहीं हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है :

अनुसूची

कृषक भूमि 4 बीघा 16 विश्वा खसरा नं० 398 गांव
सुल्तानपुर तहसील महरौली नई दिल्ली ।

कु० अंजनी ओजा
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-10-1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1955—यतः मुझे बी० ए०

दहिया

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इयक पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर से स्थित है (ओर उससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), (रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रोर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) वा बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरा से हुई किसी आय की बाबा उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) ; अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात् :—

7-316G1/79

(1) श्रीमती बिमलारानी पत्नी बाल राम 185 आदर्श नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विद्यावंती पत्नी चूनो लाल 20-X न्यू विजय नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह ममति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विनेख सं० 7527 फरवरी 1979 को रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० ए० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 27-9-1979

मोहर :

प्रष्टप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1956—यतः मुझे, बी० ए० स०

दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इए से अधिक है

श्री जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1979 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतीजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिस्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री दत्तीय सिंह पुत्र हनुरा निंह 73 आदर्श नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री रोशन लाल पुरी पुत्र भगत राम पुरी 73 आदर्श नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में नहीं रहता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अविनियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचौकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अड्डाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थदाता जो उप अड्डाय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 7705 फरवरी, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० ए० स० दहिया
सक्रम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 28 सितम्बर, 1979
मोहर :

शाई० टी०एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आरा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० ए० पा० नं० 1957—गत: मुझे बी० ए०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में स्थित है,
और जिसकी मं० जैसा कि अनुमूल्य में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूल्य में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अंतर्गत, तारीख फरवरी, 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक यह संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त ये उक्त प्रतिफल लिखित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक या किसी भाव वाले सारे उक्त अधि-
नियम ने अद्वारा करदेते के अन्तरक के दायित्व में रुपी
करन या उक्त विवेत में सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी भाव वाले किसी भन या अन्य व्यक्तियों
को, जिसके अन्तर्गत आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11, वा उक्त अधिनियम, या
घन-कर पार्टी देयन, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुश्किल वे लिए;

अतः प्रय, उक्त अधिनियम को आरा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपचारा
(1) के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्याति :—

(1) जोगिन्द्र सिंह भाटिया पुत्र मम्पुर्ण सिंह 82-ए,
गुर्जपाल नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनबीर सिंह पुत्र हरबेल सिंह 82-ए,
गुर्जपाल नगर, जालन्धर।

(अन्तरितो)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
मम्पति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हृचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-
क्षताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी हरके रूपों मांगते के प्रबंध के
लिए सार्थकाद्यांश करना हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंध में याइ सी घासेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधित :— इसमें प्रयुक्त अंडों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

प्रमुखसूची

जैसा कि विलेख सं० 7388 फरवरी, 1979 को
रजिस्ट्रोकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० ए० ए० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 4-10-1979

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1979

निवश सं० ए० पी० नं० 1958—यतः मुझे, बी० एस० दहिया

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव वीरयाना (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1979

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, देखे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तुतियों (प्रस्तुतियों) के बीच ऐसे प्रस्तुतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त प्रस्तुत, निभित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तुत से हुई किसी आय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्र में छपी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, वै, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अद्यत—

(1) श्री सुरिन्द्र नाथ पुत्र औलख प्रकाश लालोकली रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) जे० बो० सोनवा० इन्डस्ट्रोज (प्रा०) लि०, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) मैनेजर वंजाब नेशनल बैंक, कपूरथला।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो हस्ताक्षरीजानता है कि वह सम्पत्ति से हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उपर व्यक्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई और प्राप्तेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की प्रवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कि, जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और संदर्भों जा० उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6985 फरवरी, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 6-10-1979

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर
जालन्धर दिनांक 6 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1959—पतः मुझे बो० ए०

दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव
वरियाना (जलन्धर) में स्थित है (और इसके उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी,
1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उक्त अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राजिन्द्र कुमार पुत्र श्रीनव श्रीनग राजेश्वर
रोड, जलन्धर।

(अन्तरक)

(2) जे० बो० सोलंबक्ष इन्डस्ट्रीज (प्रा० लि०,
जलन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) मैनेजर पंजाब नेशनल बैंक कपूरथला।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह समनि
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि लिखेव सं० 7991 फरवरी, 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बो० एम० दहिया
पश्च अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 6-10-1979

मोहर :

प्रकल्प ग्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 1960—यतः मूँझे वा० एवा० दहिया० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (प्रौद्योगिकी उपायकरण अनुसूची में और पूर्ण न्यून में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1979 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण नहीं लिए तथा यापा गया प्रतिकृति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं दिया गया है :—

(क) पातरण से कुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरूप में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अधिकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविद्यों प्रमाणितः—

(1) श्री मंगत सेत कुमार पुत्र जक्षमी दाम जी० ए० कमल कृष्ण पुत्र देवी दिता मल नरसरी नं० 6 माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्रो 1. चरन मिहू, 2. मोहन चिहू पुत्र मोहन मिहू, 3. मनजीत चिहू, सुखदेव चिहू पुत्र मोहन मिहू, 5. करनैल सिह और मुखतार सिह पुत्र विशन सिह निजातम नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीक्षता करना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

का यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पादन के अर्जन के लिये कार्यालयां द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में भी आशेष :—

(क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता करने के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

साझेकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिचारित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलोक्त नं० 7995 फरवरी, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर से लिखा है।

बी० ए० ए० दहिया
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 11-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1961---पतः मुझे बी० ए०

दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो हुणियारपुर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कारालिय हुणियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, फरवरी, 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाव की बावजूद, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के अधिक्षय में कमी न होने या उसके बचने में सुविधा न दिए; और/वा;

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को छिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के प्रबुरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख की उपबाल (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनंत राम पुत्र मोइन लाल जेर रोड उचड़ तैहसील हुणियारपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीलावती पत्नी मनोहर लाल मार्फत शिव दग्धान उत्तम चन्द रेलपे रोड, हुणियारपुर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिवाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाचर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लाप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होणा, जो उस अन्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 4372 फरवरी, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुणियारपुर में लिखा है।

बी० ए० ए० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 11-10-1979

मोहर:

प्रधान प्राईटी, पृष्ठा ४८०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 वा (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सशाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 11 अक्टूबर 1979
निदेश मा० ए० पी० नं० 1962—यतः मुझे, बी० ए०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाय है), की धारा 269-वा के प्रधीन सूचना शाखारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वा० दे प्रदिक्षित है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो हुशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख फरवरी, 1979 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्षण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वावत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक रूपायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन वा गन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय प्रधानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा को उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अनन्त राम पुत्र मोहन लाल, जेन र तजदीक तहसील हुशियारपुर (अन्तरक)
- (2) श्री राना बरिन्द्र सिंह पुत्र मधुसूदन सिंह पुत्र गलामत राये ढोताल, पौ० ए० मदर हुशियारपुर। (अन्तरिती)
- (3) जसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)
- (4) जो अन्तरित सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना शारीर करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाण में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी अन्तरित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एक्टोडरण :—इसमें ग्रन्थ गाँड़ शौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवाप्त है, वही अर्थ होगा जो उन अधिग्राम में विद्या गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 4373 फरवरी, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

बी० ए० दहिया
सशाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, जालन्धर।

तारीख : 11-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई. टी. एन. एस.—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर
जलन्धर, दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

मिट्टेंशं सं० ए० पी० नं० 1363—यतः मुझे बी० एस०
दहिया

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव बूलोवाल (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपराह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदृश्या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या ग्रन्थ प्राप्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावर्त प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

8—316GI/79

(1) श्री गुरदित सिंह पुत्र मंता मिह गांव बूलोवाल तहसील जलन्धर।

(अ तरक)

(2) श्री गुरबिंदपाल सिंह, मर्निन्द्रजीत सिंह पुत्र धनवंत सिंह, गांव मुकंवपुर, तहसील जलन्धर।

(प्रत्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 7327 फरवरी 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 11-10-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. डी. एन. एस. ——

आयकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयक्षण (निरीक्षण)

ਅੰਜਨ ਰੋਜ਼--I. ਸਤਾਸ

महास. दिनांक 24 सितम्बर, 1979

निदेश सं० 80/फरवरी/79—यतः मुझे, श्रो० आनंद्राम
 अ यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 (जिसे इसमें इपक पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
 की शारा 269-वा० के अधीन पश्च प्राप्तिकारी को यह विश्वास
 करने का मारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 86 इकायाल रोड है, जो मुस्लिमपुर
वालिमबाड़ी में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में
और धूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय वानिमबाड़ी (444/79) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी

को पूर्वांक वंशति के उद्दित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक तस्मति का उद्दित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रभाव प्रतिगत से परिवर्तित है और भन्तरक (प्रन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अम्भरज से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुश्किल के जिएः पौर/या

(८) ऐसी किसी ग्राम्य गांविलों वा ए पर्याप्त आविष्टमें
को जिन्हें भारतीय आधिकार प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
एवं बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए वा, उपराने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के प्रत्यसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) 1. श्री एम० अच्युत्ला बाशा साहिब और 2.
श्रीमती रफिमाबी

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री जमीलुर रहमाण और 2. श्रीमती फिलिप्पा सिराजबीसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पुर्वोत्तम मध्यस्थि के प्रबंधन के लिए कार्यशालिया करता है।

उपर स्थिति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन भी तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अवधियों पर सूचना भी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ब) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर संपति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्तासरी के पास लिखित में किए जा सकें।

इष्टधीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के बाब्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उम ग्रन्थाय में दिया गया है।

四

डाकुमेण्ट नं० 444/79 एस० आर० ओ० वानिमबाडी
भूमि और निर्माण-डोर नं० 86, इकबार रोड मुस्लिमपुर,
वानिमबाडी।

ओ० आनन्द्राम सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 24-९-१९७९

३४५

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1979

निदेश सं० 67/फरवरी/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्द्राम, आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 9, 8वां क्रास मैन रोड है, जो गांधी नगर, वेलूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, काटपाडी (डाकु० नं० 508/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री रागुनाथ रेडी

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सुन्दरम, इंडोनेशिया, पावर एजेंट
वै बी० सुन्दरमूर्ती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इप्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 508/79 ए० आर० ओ० काटपाडी भूमि श्रीर निर्माण डोर नं० 9, 8वां क्रास मैन रोड गांधी-नगर, वेलूर।

ओ० आनन्द्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-9-1979

मोहर :

प्रकाश प्राईटी ० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निवेश सं० 6970—यतः मुझे, राधा बालकृष्णम्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 120/1 है, जो वड-
पातिमनगलम में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकूमेंट सं० 775/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरित
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा यात्रा गशा
प्रविकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्त्र आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावां प्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वाँ के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

(1) श्री वी० टी० सोमसुन्दरम्

(अन्तरक)

(2) श्री तिरु आरुराम शुगरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी वरक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा किसी
मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखिल
में किये जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही
पर ढोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण आर० एस० सं० 120/1, वडपाति-
मनगलम (डाकूमेंट सं० 775/79)।

राधा बालकृष्णम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्री. एन. एस.—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-म(1) के प्रधीन सूचना,
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निवेश सं. 6984—यतः मुझे राधा बालकृष्णम् आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नामांक मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 73, अविरामपुरम IV स्ट्रीट है, जो प्रितवी ऐवेन्यु, मद्रास स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेलापुर (डाकुमेंट सं. 272/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (अस्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्षरण लिखित में वास्तविक ढर से कठित नहीं किया गया है :—

(अ) अक्षरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्ष अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए का, उपाय में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म के प्रमुख में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपलब्ध (1) के अधीन निम्नलिखित अवधियों, अस्तर 1—

(1) श्रीमती सीता नरसिंहन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीलस इनदिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवात्रियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 73 (29) अविरामपुरम IV स्ट्रीट प्रितवी ऐवेन्यु, मद्रास (डाकुमेंट सं. 272/79)।

राधा बालकृष्णम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 9-10-1979

मोद्दूर :

प्रश्नप्राई० डी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निवेश सं० 6964—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है।

और जिसकी सं० 4, गांधी नगर है जो क्रमनंद पार्क रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावख अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सदापेट (डाकूमेंट सं० 268/70) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चर्देली से उक्त अन्तरण लिखित में वालविहु रूप से लिखित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट तहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में, सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए के अनुसरण में, जो, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्णातः—

(1) सर्वेश्वी एम० विजयमामा, वी० राजसेकरन, श्री० सुशाकर

(अन्तरक)

(2) टी० नकीसा

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्यमा की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होनी है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलम्ताक्षरी के पास त्रिक्षित में किए जा सकेंगे।

व्यवहारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखसूची

भूमि और निर्माण 4, क्रमनंद पार्क II, रोड, गांधी नगर, मद्रास। (डाकूमेंट सं० 268/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 9-10-1979

मोहरः

प्र० पूरुष धार्मि० टी० एन० एस०————

(1) मिटी बैंचक

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

(2) पुनलूग पेपर मिलम

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्त रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निवेश सं० 6980—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पांचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उपायकर प्रधान ने उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 5, अठायार रोड खलब है, जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाकुमेंट सं० 261/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण 5, अठायार बीड खलब रोड, सैकन्ड, मद्रास (डाकुमेंट सं० 261/79)।

(म) ऐसी किसी पाय या किसी बन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्णन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन्त रेंज-II मद्रास

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, पर्यातः—

तारीख : 9-10-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईडी० एस० एम०—————

(1) लिखी वैक

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा

(2) लक्ष्मी निवास और कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड
(ग्रन्तरिती)

269-व (1) के अधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्तन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निवेश सं० 6980—यतः मुझे राधा बालकृष्णन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मूल्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी आरा० एस० सं० 3901/8 है, जो बोड
खलब रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, बैंकापुर (डाकुमेंट सं० 262/79) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पक्का ह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरा से दुही किसी आय को बाहत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाले ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रत, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह मूल्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहिया करना हूँ :

इस संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में रोहि भी भारा :—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वा व्यक्तियों पर मूल्यना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस पूर्वना के राजपत्र वे रक्ताग्रा की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मनुसूची

भूमि आरा० एस० सं० 3901/8, सेक्टर, एवेन्यू, बोड
खलब रोड, मद्रास (डाकुमेंट सं० 262/79) ।

राधा बालकृष्णन्
मशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्तन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रृष्ठ पाई ३० टी० एम० एस० -----

(1) श्री एम० राजू

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269 व (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स आरोइलकट्रानिक्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 8520—प्रति; मुमे, राधा बालकृष्णन्,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पाछात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की आदा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, वित्तका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० ये अधिक है
और जिसकी सं० प० 2 इनडस एस्टेट है, जो नट्टानवावठी
पान्डिचेरी-9 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूल्यी में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पान्डिचेरी (डाकुमेंट सं० 102/79) में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का प्रमाण
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तराल के सिए तथ
पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अस्तर
लिखित में बाल्किन क्रम से अधिक नहीं हिंगा गया है।—

(क) प्रस्तर द्वारा द्वारा की आदा, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर केरों के प्रस्तरक के बायित्व
में कमी करने पा उसके बचने में नुक्किया के लिए
भीर/या

मुक्किया

भूमि और निर्माण एलाट सं० प० 2, इनडस एस्टेट
नट्टानवावडी, पान्डिचेरी-9 (डाकुमेंट सं० 102/79)।

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी इन या मान्य आमिनों
को अन्तर्भुक्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रधीनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाय या या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

राधा बालकृष्णन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः, अब उक्त प्रधिनियम की आदा 269 व के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269 व की उपादाना (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवृत्त ।—

9—316 GI-79

तारीख : 9-10-1979
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०---

(1) श्री जे० डी० इटालिया

(अन्तरक)

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० गोवान्ठल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

राष्ट्रीय, राजान् प्राप्त हर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निवेश सं० 6959—यतः मुझे राधा बालकृष्णन् आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 76, माउन्ट रोड है, जो मद्रास-2 में स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीस्टर्स अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्पलकेन (डाकुमेंट सं० 133/79) में रजिस्ट्राफरण अधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के अधीन तारीख फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मर्यादितियों को, जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मूमि और निर्माण 76, माउन्ट रोड, मद्रास-2
(डाकुमेंट सं० 133/79)।

राधा बालकृष्णन्
नक्षम प्राधिकारी
सहायक प्राप्त हर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-10-1979
मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जे० डी० इटालिया

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचा

(2) श्री एस० अहमद फातिमा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 6967—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बांदर मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 65 है, जो अन्ना सालै मद्रास-2 में स्थित है (ग्रौंड इप्पन उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीलरी अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकुमेंट सं० 751/79) में रजिस्ट्रीलरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बांदर मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिकरण के लिये अन्तरित की गई है ग्रौंड मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथमपूर्वोत्तर सम्पत्ति ना उचित बांदर मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिकरण से, ऐसे दृष्टमान प्रतिकरण ना प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है ग्रौंड ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तारीख अन्ना प्रतिकरण, निम्ननिवित उद्देश से उक्त ग्रन्तरक निवार में वास्तविक रूप से नहीं दिया गया है:—

को यह सूचा जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचा के राजावाने राजागा ही तारीख से 45 दिन को प्रवर्ति गा अपनेवंशी वर्कियों पर पूर्वना की तामील से 30 दिन की प्रवर्ति, जो भी प्रवर्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर वर्कियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचा के राजावाने प्राजाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य वर्कियि द्वारा, प्रवीद्वासाभारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त सम्पत्ति के प्रधाय 20-व में परिभाषित है, वही प्रयं होता, जो उन प्रधाय में दिया गया है।

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में हसी करने या उसे उत्तर में सुविधा नहीं; और/या

अमुसूची

भूमि श्रीर निर्माण—65, अन्ना सालै मद्रास-2 (डाकुमेंट सं० 751/79)।

राधा बालकृष्णन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

प्रतः ग्रौंड प्रविनिवन को धारा 269-ग के अनुत्तरण में, मैं, उक्त सम्पत्ति की धारा 269-व की उपधारा(1) अधीन निम्ननिवित वर्कियों अर्थात् :—

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० ए३०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व(1) के प्रश्नों का उच्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 6967—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्,
आयकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), नी धारा
269-ख के अधीन सकास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
23,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 64, है, जो अन्नन सालै मद्रास-2 में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ
(डाकुमेंट सं० 752/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 79
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की जाए है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा याज्ञ गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्षण
लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई दिने वर्ष की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रभीत कर देने के अन्तरक के
दायित्व से हटाए रखने या उससे उठाने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी घन या घम्य अपार्टमेंट
को जिन्हें भारतीय पाय-हर अधिनियम, 1923
(1922 का 111 वा उक्त अधिनियम, या
घन-कर प्रतिनिधित्व, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रभारित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या उक्त अपार्टमेंट को उपधारा, दिपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० दी० इटालिया

(अन्तरक)

(2) श्री एस० अहमद फातिमा

(अन्तरिती)

को यह उक्त वर्ष कर्ते हुए निम्न व्यक्तियों के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त वर्तन के अर्जन के अन्तर्थ में कोई श्री प्राप्तेः—

(ह) इन उक्तों के उचित वर्ष के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जी
अवधि बाद में उपाय होती है, के भीतर युरोपीय
व्यक्तियों वे उक्ती व्यक्ति द्वारा;

(ज) इन सूचना के उचित वर्ष में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
कियों अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें उक्त गढ़ों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 20-वा में परिभाषित
हैं, वही दर्शायें होते हैं जो उक्त उपधारा में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—64, अत्रा सालै मद्रास-2 (डाकु०
सं० 752/79)।

राधा बालकृष्णन्
सकास प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख : 9-10-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी• एन• एस•---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्टूबर, 1979

निदेश सं 191-फरवरी/79—यतः मुझे, ओ० आनन्दम प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं 74, मेलबीररागवराव पुरुम गांव है, जो पेरुमाल सम्मती स्ट्रीट, तिरुनेलवेलि में स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० I तिरुनेलवेलि (डाकु० सं 128/79) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक फरवरी, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अत्यरक्त (अन्तरक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावजूद उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

यतः मात्र, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के प्रमुखरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपाधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए० बी० वरदराज अयंगार (प्रन्तरक)

) श्रीमती बी० लक्ष्मी प्रमाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के मम्बत्व में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से हिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविना द्वारा, अधीक्षितान्तरी के पास लिखित में हिसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं 128/79 जे० एस० आर० ओ०-I तिरुनेलवेलि भूमि और निर्माण डोर नं 74, मेलबीररागवपुरम गांव वेरुमाल सम्मती स्ट्रीट, तिरुनेलवेलि।

ओ० आनन्दम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्रधन प्राई० टी०एन० एम०----

(1) श्री आर० दुर्वेसामी

(अन्तरक)

(2) श्री मुतु

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निवेश सं० 78/फरवरी/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्द्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 59/1ए, चितुर गांव है, जो सेलम ईस्ट में स्थित है (और इससे उपावड़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, जलकंटकपुरम् सेलम (डाकू० नं० 188/79) में (रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तुतियों (प्रस्तुतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुतरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

(क) प्रस्तुतरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे प्रस्तुतियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या वत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 188/79 एस० आर० ओ० जलकंटपुरम् एग्रिकल्चुरल बूमि आर० एस० नं० 59/ 1ए०, चितुर गांव सेलम डिस० ।

ओ० आनन्द्राम
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-10-79

मोहर :

प्रध्यप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 16/फरवरी/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्द्राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रश्नीन सभी प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० एम० नं० 520/2 सी०, 520/2 डी०, 520/2 ई० 520/2 एफ०, इलुफुसरनी है, जो गांव, कोवीलपट्टी में स्थित है (और इससे जापाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोवीलपट्टी 'डाक्य० नं० 296/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन परवर्ती, 79

वो दूर्वासा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का गम्भीर प्रतिक्रिया से अविकृ है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (यन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित वृश्यमान रूप से किया नहीं किया गया है :—

(अ) उक्त रूप से हुई कियो आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक्षण में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसे हितों आय या कियो धन या अन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, किंतु वे सुविधा के लिए;

अतः यत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, प्रकार :—

1. (1) काडर मोहिदीन (2) मोहम्मद कासिम
(3) गुलाम मोहिदीन (4) एम० शाहव अमीद
(5) फातिमा बीबी (6) ए० शाहुल अमीद
(7) काजा मोहिदीन (8) सेल अबदुल्ला
(9) अमीना बीबी (10) मोहम्मद अली जिन्ना
(अन्तरक)
2. (1) आर० लक्ष्मण पेमल (2) नारायणसामी
(3) सुन्दरराजन (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवर्धित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही घर्ष होगा, जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आक्यूमेंट नं० 296/79 एस० आर० ओ० कोवीलपट्टी अधिकाल्चरल भमि 7.79 एकड़ सरवे नं० 520/2 सी०, 520/2 डी०, 520/2 ई०, 520/2 एफ०, इलुपैयुरनी गांव कोवीलपट्टी

ओ० आनन्द्राम
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-10-79
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट ई।० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री आर० एतिराजन

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एस० इलवरसन

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

सार्वालिय, सहायक आयकर वायुपत्र (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, तारीख 10 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 21/फरवरी/79—यतः, मुझे ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विस्त्रित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एस० नं० 93 सुकुरवारम गांव है, जो कोमारफालमम, सेलम डिस्ट्र० में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, कोमारफालमम (277/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तिवार्ता प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्तिवार्ता मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया या गया है :—

(क) अन्तरण वे हुई किसी द्वाव की वाजार वाले उक्त अधिनियम, के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो भरने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी द्वाव या किसी अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

डाक्युमेंट नं० 277/79 एस० आर० ओ० कोमारफालमम भूमि और निम्नांग एस० नं० 93, सुकुरवारम गांव कोमारफालमम, सेलम डिस्ट्र०

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः यद्य, उक्त अधिनियम 60 आरा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-10-79

मोहर :

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रोज़-1, मद्रास
 मद्रास, तारीख 10 अक्टूबर 1979

निवेदन सं० 35/फरवरी/79--पतः, मुझे, ओ० आनन्द
 राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष
 के प्रधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० डी० 2077-ए० 2 और 2077 बी०
 2 के फेर रोड, नागरकोयल है, जो नागरकोयल में स्थित है,
 (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-१
 नं० कोटील (डाकगू० नं० 9-24/422/79 में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 16 फरवरी, 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
 पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
 बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश से उक्त पन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कहित
 नहीं किया गया :-:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
 गायत्र में कहीं करने या उनसे बचने में सुविधा
 के लिए ओ०/पा।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 का, जिन्हे प्राय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम को भारा 269-ष के अनुसरण
 में, मैं, सहायक आयकर आयुक्त (1)
 के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तरित :--
 10-316GI/79

(1) परतास टैक्सटाइल्स मेनेजिंग पार्टनर एम० सी०
 निवास, रेट्रीमार (अन्तरक)
 (2) (1) श्री के० टी० मरियम्मा (2) फि० डी०
 चाक० (3) अन्तोनी मृतु (4) फि० डी० आवरे-
 हम। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के मध्यम में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि वाद में भमाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उन स्थावर मर्मार में हितवड़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोषणात्मकी के पास
 लिखित में हिए गए संकेत।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के प्रथम 20-क में परिभ्रान्ति
 हैं, वही अर्थ हागे जो उन घास्त्र में दिये
 गया है।

अनुसूची

डाकमेट नं० 9-24/422/जे० एस० आर० ओ०-१ नागरकोमी
 भूमि और निर्माण—एस० नं० 2077 ए०-२ और 2077
 बी०-२ के फेर रोड, नागरकोयल।

ओ० आनन्दमराम
 सकार प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रोज़-I, मद्रास

तारीख : 10-10-79

मोहर :

प्रह्लद आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, तारीख 10 अक्टूबर 79

निदेश सं० 20/फरवरी/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उत्पक्षे पश्चात् ‘उत्तन अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकारा अधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 61, मलवीररागवपुरम पेरुमाल है, जो नार्थ कार स्ट्रीट, तिळलवेली में स्थित है (और इसमें उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिभत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावजूद, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे उनसे में सुविधा के लिए और/या

(ख) एसी किसी धारा या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्ह आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जानाचाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों अर्थात् :—

(1) श्री ए० वी० वरतराज अमंगार और ए० बी० अन्नादुरै (अन्तरक)

(2) डॉक्टर ए०स० वरतराजन (अन्तरिती)

को यह सूचना आरा करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संराति के अंतर्गत प्रसंवाद में कोई भी आशेय :—

(क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तत्प्रवर्त्ती अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रदर्शन बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षियां द्वारा;

(ख) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य अक्षियां द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रधानोक्तरण :—इन्हें प्रधान शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डॉक्टर मेंट नं० 129/79 जे० ए० आर० ओ० तिळलवेली भूमि और निर्माण डोर नं० 61 मलवीररागवपुरम पेरुमाल नार्थ कार स्ट्रीट, तिळलवेली।

ओ० आनन्दराम
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 10-10-79
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एन० रामचन्द्रन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री एम० एस० ए० मीरान (9) एम० चिन्नगनी
अद्वैत मीरान (अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख 10 अक्टूबर 79

निःशंग भ० 37/फिव०/79--वा०, ओ० मुझे, आनन्द्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जबत प्रधिनियम कहा गया है'), की धारा 269 ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदृ विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 16 पिलाह नं० 3-बी० पेरुमाल
पुरम मी०-कालोनी है, जो कुलवर्मिगपुरमपुरम तिन्नलिवेलि में स्थित
है (और इसमें उपविष्ट अनुशूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ० मेलपाल
यम० (डाक्य० नं० 266/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के प्रधीन फरवरी,
79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यदृ विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिकल तिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उपधारा (1) के
अधीन, तिन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यदृ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोदस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं वही
रूप होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक्य०मेंट नं० 266/79 एस० आर० ओ० मेलफालमम
भूमि और निर्माण डोर न० 16 प्लाट न० 3-बी० पेरु
मालपुरम मी० रालमी, कुलवर्मिगपुरम टिस्प्लवेलि।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 10-10-79
मोहर:

प्रस्तुति माई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

(1) श्रीमती के० शोरतलधमी और सीता रामचन्द्र
मूर्ति (अन्तरक)

(2) श्रीमती सोनिया आर० डालवानी
(अन्तर्भृती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेज-1, मद्रास

मद्रास,-। दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निवेश सं० 55/फरवरी/79-ग्रा०, मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सभ्यम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थानव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० 80, मारशलस रोड, एगमोर है, जो मद्रास 8 में स्थित है (और इससे उपांचल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीहर्टी अधिकारी के कायनिय, पेरिमेट (डक्यू० नं० 177/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का बहुत ह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वाचत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हे, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची:

डक्यू० नं० 177/79 एस० आर० ओ० परिमेट
किनेट निर्माण डोर नं० 80, मारशलस रोड, एगमोर,
मद्रास-8

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेज-1, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसर स्वरूप मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के न्यायनिति विविध प्रक्रियां, प्रर्दूतः—

तारीख: 9-10-1079

मोहर:

प्रस्तुप ग्राही ० टी० एन० एस० --

(1) भैसर्स के ० ए० रेहमान एण्ड कंपनी

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास दिनांक 8 अगस्त 1979

निवेदण मं० 58/फिब०/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दम
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है।

ओर जिसकी मं० 76 और 77 सैडामस रोड, है, जो
पेरिमेट, मद्रास-3 में स्थित है (ओर इसमें उपाखड़
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट घ वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्निंग अधिकारी के हायलिन, पेरिमेट (डाक्यू० नं० 167/79) में
भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन कर्वरी 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवात में वास्तविक रूप से
कठित भही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रभृ०, मब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्न उक्तियों, अवृत्त :—

(2) विक्टरी टिम्बर और सा मिल्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

डाक्यू० नं० 167/79 एस० आर० ओ० पेरिमेट भूमि
और निर्माण डोर नं० 76 और 77 सैडामस रोड, पेरिमेट,
मद्रास-3

ओ० आनन्दम
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेज I, मद्रास

तारीख: 8-10-79

मोहर:

प्र० प्र० शाई० ही० एम० एस०—

(1) श्री जे० एस० विकटोरिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 11-10-79

निवेद 43/फिब्रूरी०/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है
कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उत्तिवाचार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक है।

और जिसकी सं० डोर नं० 3 (पुराना नं० 1) के प्रकाश लेन,
एगमोर है, जो मद्रास 8 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० II मद्रास नार्थ
(डाकू० नं० 587/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तिवाचार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तिवाचार मूल्य
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐ॒ दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्वरूप (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ मासितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तनार्थी अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

पदः, पद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(2) मैसर्सं सौत इंडिया होटल्स (पी०) लिट० मैने-
जिंग डाइरेक्टर श्री एम० पी० पुरुषोत्तमन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घासेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवद्य किसी अव्यय द्वारा, प्रबोहस्तानी के या अनिवार्य में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यों

डाकू०मेट नं० 587/79 जे० एस० आर० ओ० II मद्रास
नार्थ भूमि और निम्न डोर नं० 3 (पुराना नं० 1) के प्रकाश लेन, एगमोर, मद्रास 8।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, मद्रास

तारीख: 11-10-79
मोहर:

प्रकाश प्राइंटी० एन० एस०—

(1) श्री एम० अमीर शनी

(अन्तरक)

(2) (1) श्री जमाल मोहम्मद (2) श्रीमती सैयद रफीया बीबी (3) श्री ए० एम० ए० बजरुद्दीन अहमद

(प्रन्तरिती)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, विनांक 11 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 52/फरवरी/79—यतः; मुझे श्रो० आनन्दराम ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 471/2, 475/5, 471/1 ए० 1 बी० निलकोटू है, जो में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, निलकोटू (डाक्यू० नं० 184/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए एन्ट्रैडारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वांबधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, ग्राहोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक्यूमेंट नं० 184/79 एस० आर० श्रो० निलकोटू है
एग्रिकल्चरल भूमि सबै नं० 471/2, 475/5
471/1 ए० 1 बी निलकोटू।

ओ० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास,

तारीखः 11-10-79

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री आर० वी० रामण

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री एन० पकीर मोहम्मद

(अन्तरिती)

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 64/फरवरी/79—यतः मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये ने अधिक है।

और जिसकी सं० एस० नं० 389/1 श्री० कोडैकानल है, जो में स्थित है (और इसने उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० श्रो० कोडैकानल (डाक्य० नं० 21/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित से गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए नया गया गतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण विधियां में वास्तविक रूप से नियित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण ये दुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा दें लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसो हिस्से पाँच या छिपो वा या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

डाक्यूमेंट नं० 21/79 एस० आर० श्रो० कोडैकानल भूमि और निर्माण सर्वे नं०, 389/1 श्री० कोडैकानल।

श्रो० आनन्दराम,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

कल: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपायाया (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

तारीख: 11-10-79

मोहर:

प्रसूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निदेश सं० एफ० नं० 83/फर०/79—यतः मुझे, ओ० आनन्द्राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पावता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संघर्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्दित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 472/1 सेवगमपट्टी गांव है, जो निलकोट्टे तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची में और पृष्ठ व्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कुण्डु (डाक्य० नं० 9.20/280/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन फरवरी, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिक्रिया से अधिक है और प्रभारक (प्रभारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे व्यवहारण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभारण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) प्रभारण से हुई किसी व्याय को बाबन, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अनुरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ब) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या भवा प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाब्द अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

11-316GI/79

(1) (1) श्री टी० पचैम फप नाडार (2) पी० राजमाल
(3) पी० कासीराजण (4) डरमर (5) कुण्ड-
लिङम (6) मामांडी (7) नटराजण (8) हिंदलर
(9) मानिकवेल (10) रत्नशेल (अन्तकर)

(2) श्री टी० जानसेगरण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्षित द्वारा ;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिवारित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक्यूमेंट नं० 9.20/280/79 एस० आर० ओ० वत्स-
कुण्डु गार्डन लैडस, एस० नं० 472/1, सेवगमपट्टी गांव, निलकोट्टे
तालुक।

ओ० आनन्द्राम
संघर्ष प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 मद्रास

तारीख : 11-10-79

मोहर :

प्रह्लप घाई० थी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I मद्रास

मद्रास तारीख 13 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 85 बी०—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि इथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 47, है जो पालैयूर, कन्नलनूर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, कारेकुटी
(डाक्यूमेंट सं० 47/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन करवारी, 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का प्रक्रिया
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्राप्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
द्यनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् 1—

(1) मीनाक्षी थियेटर्स	(अन्तरक)
(2) श्रीमती राम० जमीला बीबी	(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी अविकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी
में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद्धि किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रवोहस्ताकरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त सर्वोक्तों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिवर्तित हैं, वही अवधि होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण मीनाक्षी थियेटर, पालैयूर, कन्नलनूर
(डाक्यूमेंट सं० 47/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण))
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 13-10-79
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

(1) डा० टी० वी० सिवानन्दम् (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के प्रधीन सूचना

(2) दि० करपगम थियेटर (पि०) लिमिटेड
(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक अक्टूबर 13, 1979

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई सी ग्राहक--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया
गया है।

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन करदेने के प्रस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
गन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि संयिट सं० 481 और 482 सनगन्तूर कोयमबद्दूर
(डाक्यूमेंट सं० 724/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-10-79
मोहर :

प्रस्तुप धाई० दी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 10283—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० संयिड सं० 481, सनगनूर है, जो कोयम्बत्तूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धादियुरम (डाकूमेंट सं० 1476/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृत्तेषु सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविषयों, प्रवातः:—

(1) श्री श्रीनिवास पेहमाल फैनासिंग कारपोरेशन

(अन्तरक)

(2) दि करपगम अवेटररस (पि०) लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या उक्त सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी शन्य व्यक्ति हारा, अबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सायिड सं० 481, सनगनूर (डाकूमेंट सं० 1476/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 13-10-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईडी एंट एस्प्रॉ—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निदेश सं. 7040—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से
अधिक है।

और जिसकी सं. 2, कादर नवाज कान रोड़, है जो मद्रास
—34 में स्थित र (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप
से वर्णित र), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मद्रास
जारत (डाकूमेंट 30 152/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रमत्तरिती (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन, कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रम्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रमत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
के सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-वा के प्रमुखरूप
में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-वा की उपघारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पात्:—

1. श्रीमती डॉक्टर मतुरनायकम (अन्तरक)

2. श्रीमती ए. एम. हृतीजाय अमीना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी व्याख्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभासित है, वही
पर्यं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूमी

भूमि 2, कादर नवाज खान रोड मद्रास-34।
(डाकूमेंट सं. 152/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 15-10-1979

नोहर :

प्रकर आई० टी० एन० एस०—

प्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 8495—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ग
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और जिसकी

सं० सी 41 है, जो रामलिंग नगर फतूर में स्थित है
(श्री इसमें) उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निची (डाकूमेंट
सं० 358/79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
ना 16) के अधीन, तारीख, 7 फरवरी 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्ष) और प्रत्यरिती
(प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरित के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरित लिखित में
मास्तविक रूप से रूपित नदों किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री के० राम राधा कृष्णन चौटी

(अन्तरक)

2. श्री मोगराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो रुक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के
निए कायंवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बद्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अन्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 410 रामलिंग नगर, फतूर
(डाकूमेंट सं० 358/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग की उपवारा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित अधिकृती, अस्ति :—

तारीख : 15-10-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी-एन-एस—

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प्र (1) के प्रधीन सूचना

1. श्री टी० वी० रामनाथ (अन्तरक)

2. श्री ओम० सरोजस्मा (अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निवाश सं० 7036—यतः, सुझे, राधा बालकृष्णम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो कुनरतूर पूनमल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-र्टा अधिकारी के कार्यालय, पूनमल्ली (डाकूमेंट सं० 371/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुपरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख में उक्त अन्तरण निर्धित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तक संबंधी व्यक्तियों ५८ सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा, अधोइक्षाकरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्वावरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय ने दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य घासियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्वतः—

अग्रीकल्चरल भूमि, निर्माण राट्सेहरा—कुनरतूर (16-041/3 राकर्स) (डाकूमेंट सं० 371/(9))

राधा बालकृष्णम्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-10-1979

मोहर :

प्रसूप आई० एन० टी० एस०
प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 7036—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन साथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० है, जो कुनरटूर, पूनमल्ली में स्थित है (और इससे उपबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूनमल्ली (डाकमेंट सं० 372/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल से के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरम से दूरै किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्ताव के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या शम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शांति चेरीटीस (अन्तरक)
2. वाई० सरोजमा और अर्क्स (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया तक स्वान्धी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्तित्व द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य अस्तित्व द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण कुनरटूर पूनमल्ली (डाकमेंट सं० 372/79)।

राधा बालकृष्णम्,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 15-10-1979
मोहर ।

प्रश्न प्राई ३० टी० एस० एस०—

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निदेश सं 8502—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संख्या प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं 75, तिरुनीरमले रोड, पम्मल है, जो में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पल्लावरम (डाकूमेंट सं 282/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृथमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया जया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

12-316GI/79

1. श्री राम मोहमद मोहिदीन (अन्तरक)
2. श्री राजेश्वरी रानटर प्रेसस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्वदी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविक्त, द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण, 75, तिरुनीरमले रोड पम्मल (डाकूमेंट सं 282/79)।

राधा बालकृष्णम्,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 15-10-1979

मोहरः

प्र० पूरुष आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-व्य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 10284—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 10, डाक्टर सिवानन्द नगर है तथा जो सेनगनूर, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी, के कार्यालय, धांदियुरम (डाकूमेंट सं० 588/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्कह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई हिस्सी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा छिपाने वे सुविधा के लिए;

भदा, अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-व्य के प्रयुक्त सरेण में, मेरे उक्त अधिनियम की वारा 269-व्य की उच्चारा के (1) अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, पर्यातः।—

1. डॉक्टर पी० सी० करनाकरन नमवियार (अन्तरक)
2. श्रीमती लक्ष्मियम्माल डोरैराज और डनबाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी प्रत्येक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय अव्यय अवित्य द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रभुसूची

पूर्ण और निर्माण 10, डाक्टर सिवानन्द नगर, सेनगनूर, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 588/79)

राधा बालकृष्णम्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 13-10-1979

मोहर:

ब्रह्म बाई० ढी० एन० एस०—

अधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 6986—यह, मुझे, राधा बालकृष्णम्, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 88, मद्रास साली, मद्रास-2 है, जो में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (डाक्मेंट सं० 824/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की जई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यक्षपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत प्रतिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यरक्तों) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तुरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल तिम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अवधारण विवित में व्यवस्थित रूप से संचित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी पाय की वायत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
दोर/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी छन या पर्याय प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अवस्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाय तो या किया जाना चाहिए तो, उसमें में सुविधा के लिए;

प्रमुखद्वारा

भूमि और विभाग -88, मद्रास साली मद्रास-2 (डाक्मेंट सं० 824/79)

राधा बालकृष्णम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रत्यक्षरूप में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचाय (1) के प्रधीन, तिम्नतिवित अविक्तियों, अवार्तः—

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 6902—यतः, मुझे, राधा वालकृष्णम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7, हरिनगठन रोड है। तथा जो मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकूमेंट सं० 576/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधाति :—

1. श्रीमती मीनाल रामस्वामी (अन्तरक)

2. श्री एम० के० चन्द्रकान्त (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिलिंग में किए जा सकेंगे।

ल्पण्डीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 7, हरिनगठन रोड, मद्रास-31 (डाकूमेंट सं० 576/79)

राधा वालकृष्णम्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई॰ टौ॰ एस॰ एस॰

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निवेश सं० 17/फिव०/79—यतः, मुझे, श्री आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), को वारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 2/104 मेलचतरम स्ट्रीट है, जो परमकुड़ी में स्थित है (और वहसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, परमकुड़ी (डाक० नं० 10/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण निर्भित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय या वाचत उचित अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य पास्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचित अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घन, उचित अधिनियम, को वारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उचित अधिनियम की वारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री आर० नागराजन और (2) फिं आर० कलमान सुन्दरम् । (अन्तरक)

2. श्री आर० सेतु नाडार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उचित सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जोही भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचित स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अद्योहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकें।

एवं अधिकारक :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचित अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट सं० 10/79 एस० आर० ओ० परमकुड़ी भूमि और निर्माण डोर नं० 2/104, मेलचतरम स्ट्रीट, परमकुड़ी।

ओ० आनन्दराम
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एम० ए०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, मद्रास,
 मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 18/फि०/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिथे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2/104 मेलचतरम स्ट्रीट है, जो परमकुड़ी में स्थित है (और इससे उपावड़ा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परमकुड़ी (डाकु० नं० 11/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक ले वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; घीरवा

1. (1) श्री आर० नागराजण और (2) फि० आर० कलमाल सुन्दरम (प्रत्यक्ष)

2. श्रीमती एस० वल्ली ममिलु अम्माल (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षि द्वारा अधोदृष्टाकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रपुक्त अन्तर्कों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20वे में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आविक्षियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आकूमेंट नं० 11/79 एस० आर० ओ० परमकुड़ी भूमि और निर्माण डोर नं० 2/104 मेलचतरम स्ट्रीट, परमकुड़ी।

ओ० आनन्दराम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः यह, उक्त अधिनियम की वारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों अर्थात् :—

तारीख : 12-10-1979
मोहर :

प्राप्ति प्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निदेश सं० ओ० आनन्दराम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की आरा
269-व के प्रधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 275 कामराजर रोड़, है जो मदुरै में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०
एस० आर०-I मदुरै (डाकू० न० 583/79) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
मधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों)
और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के
लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

1. श्री टी० वी० वी० वीदणशंकर (प्रस्तरक)

2. श्री की० सुबरमण्यम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवर्तन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधिया तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया जो भी अधिकारी वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वाह किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रह्लाद 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रह्लाद
में दिया गया है।

(क) प्रयुक्त न ही लिखा प्राप्त हो वालत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व के कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी यत्न या प्रथ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
वया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

डाकूमेंट न० 583/79 जे० एस० आर०-I मदुरै भूमि
और निर्माण और न० 275, कामराजर रोड़, मदुरै।

ओ० आनन्दराम
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

आरा: अब, उक्त अधिनियम की आरा 269व के अनुसरण
में, जो उक्त अधिनियम को धारा 269व की उपलाभ (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख: 12-10-1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
सार्वालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्टूबर 1979

निवेश सं. 86/फिब्रू. 79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभी संघीय प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. 275, कामराजर रोड़ है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I मदुरै (डाकु० 554/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 16 फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुचित ही गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप में अनियत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय को बाबत उक्त प्रक्रियम के प्रधीन करने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य सास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर रूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व वारा 269ग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वात्।—

1. श्री टी० वी० बी० वत्सला (अन्तरक)
2. श्री फी० मुबरमनियन (अन्तरिती)

को यह सूचना ब्राह्मी करने पूर्वोक्त मध्यानि के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक नहीं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तरीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ब्राह्मी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसापन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी ते पास लिखित किए जा सकें।

उपर्योगण :—इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-के वर्तमान परिमापित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट सं. 554/79 जे० एस० आर० I, मदुरै भूमि और निर्माण डोर नं. 275, कामराजर रोड़, मदुरै।

आनन्दराम,
सार्वालिय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 12-10-1979
मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंड टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-जे, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निवेश मं० 87/फिब०/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि नि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० 275 कामगाजर रोड है, जो मदुरै में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में आ० पूर्ण रूप में वर्णित है), राजनीतिक आंदोलन के कार्यालय, ज० एम० आर०- मदुरै (डाकु० 555/79) में भारतीय राजस्त्रीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूरा, उक्त दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए जाया गया अविकर, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में लिखा नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण में हुई लक्षी आय को बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने ह स अन्तरक क दायित्व में कमों लाने या उससे बचन में सुरक्षा करने के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या हिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुरक्षा के लिए;

प्रन: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
13—316GI/79

1. श्री टी० वी० बी० प्रेमचन्द्र (अन्तर्गत)

2. श्री फी० भुवरमनियन (अन्तरिती)

मौजूद सूचना जारी करने पूर्वाना सम्पत्ति के अवृत्त के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णसूचना व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास निवित में लिए जा सकेंगे।

संलग्न:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होता है, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूपैट नं० 555/79 ज० एम० आर०-१ मदुरै भूमि ओर निर्माण डोर नं० 275, कामगाजर रोड, मदुरै।

ओ० आनन्दराम
भारतीय आयकर अधिकारी
महाराष्ट्र आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-जे, मद्रास

नामिक: 12-10-1979

मोहर:

प्रृष्ठ पाईंड० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 88/फिव०/79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दराम, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 275 कामगाजर रोड है, जो मदुरै में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-I मदुरै (डाकु० नं० 556/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरग में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत—

1. श्री टी० वी० बी० दिलिप कुमार (अन्तरक)

2. श्री पी० सुवरमनियन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रशोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 556/79 जे० एम० आर०-I मदुरै भूमि और निर्माण डोर नं० 275, कामगाजर रोड, मदुरै।

श्रो० आनन्दराम,
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269 व(1) के बचत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 22/फि०/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व के अन्तर्गत संपत्ति को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15, आर्फिसर्स लेन, और मासिलमानी होस्टल है, जो रोड, वेलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, ज० एस० आर०-1 वेलूर (डाकू० नं० 450/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विस्तृलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रतरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः प्रथ, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डॉक्टर वी० आर० रामकृष्णन (अन्तरक)

2. चर्च आफ सौर इंडिया ट्रस्ट असोसियेशन, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त मंगति के प्रबंग के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त मंगति के प्रबंग में कोई वा आशेर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशर की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में ममाद्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अन्तित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी प्रथ व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित रूप से किए जा सकें।

प्रबंधित रूप :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 450/79 ज० एस० आर०-1 वेलूर भूमि और निर्माण डोर नं० 15, आर्फिसर्स लेन वेलूर और भूमि और निर्माण मासिलमनी होस्टल रोड, वेलूर।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 13-10-1979

मोहर:

परलेप प्रार्द्ध ३० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर, 1979

निदेश मा० 25/फि०/79—अतः, मुझे, ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सभी प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है।

ओ० जिपकी मा० 4, काकांतोफ, पुदुमंडपम है, जो मदुरै में स्थित है (ओ० इमा० उपायक अनुसूची में ओ० पूर्ण रूप में बोंगा है), रजिस्ट्रीडीली अधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडपम मदुरै (इकू० ना० 166/79) में भारतीय रजिस्ट्रीडीली अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख कार्यवारी, 1979 की।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का त्रुट्टि प्रतिशत से अधिक है और प्रमत्रक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्रण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रमत्रक के वायिष्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. ओ० एम० जी० गमन्द्र हैमर (अन्तरक)

2. श्री आर० मुतुकिरमण (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्तान को तारोब से 45 दिन से प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्तान को तारोब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, ओ० इमा० आयकर अधिनियम के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के यथाय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याय होता जो उन यथाय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० इमा० 166/79 एस० आर० ओ० पुदुमंडपम भूमि और निर्माण डोर ना० 4, काका तोफ, पुदुमंडपम मदुरै -2।

ओ० आनन्दराम
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 12-10-1979

मोहर:

प्रष्टप भाई० वी० इन० प्रय०---
प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) में अधीन सूचना।

भारत सरकार
कार्यालय, संघायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 33/पिनखरी/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 18मी नयी रामनाड रोड है, जो मदुरै
में स्थित है (ओर इसमें उपावढ अनुसूची में ओर पूर्ण स्वप्न
में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, जे०
एस० आर०-1 मदुरै (डाकू० न० 342/79) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरक्ति (प्रत्यरक्तियों)
के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
रुदृश्य से उस अन्तरण निर्धित में वास्तविक कंप से कठित नहीं
किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किती आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य घास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय
अन्तर्लिंगी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया
जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जत :—

1. श्रीमती मेरी सुगंती (अन्तरक)
2. श्री आर० पेरियामार्मा नाडूर (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त मारति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति ह अर्जन ह सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबंधि या नत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अधिकारी द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास
निर्धित में किये जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट न० 342/79 जे० एम० आर०-1 मदुरै भूमि
ओर निमण-डोर न० 18-सी नयी रामनाड रोड, मदुरै।

ओ० आनन्दराम
मध्यम प्राधिकारी
संघायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 12-10-1979

मोहर:

प्रश्न प्राईंटी एस० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निवेश सं 65/फिव०/79—यतः, मुझे, ओ० श्रान्तन्दराम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यक्षत 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ए के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं 16 टाउन हाल रोड है, जो मदुरै में थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडपम, मदुरै (डाकु० सं 347/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यकांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिकल लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घात की वावत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कामी करने पाया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) देसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या आयकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

परतः प्रतः, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-ए के अनुस्परण में, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-ए की उपवारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अस्तियों, पर्वात 1—

1. श्री व० गनेशन 2. श्रोमती मंगलम अम्माल (अन्तरक)
2. (1) कुमारी फिं आर० मानोमनी
(2) एस० लता बै० गाडियण ए० अमुदवल्ली
(3) आर० इशाराणी, आर० रेणुणा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति ये हितवद किसी अन्य अस्ति द्वारा, अप्रौद्योगिकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

डाकूमेंट सं 347/79 एस० आर० ओ० मुदुपंडपम भूमि और निर्माण डोर नं 16, ठवुण हाल रोड, मदुरै।

ओ० श्रान्तन्दराम
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख: 12-10-1979

मोहर:

प्रस्तुत प्राईंटी टी. एन. एस.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 3979

निवेश सं० 97/फरवरी/79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दराम, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ए के अधीन सत्रम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 193 मिट स्ट्रीट, है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टी अधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट, मद्रास (डाकू सं० 131/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रतिकृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य मालियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

1. श्रो० बगवंदामलाल डाम (अन्तरक)

2. (1) रामलाल सोनी (2) जगदीश (3) श्रीमती रंगाबै। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट सं० 131/79 एम० आर० श्रो० सौकारपेट मद्रास भूमि और निर्माण डोर सं० 193, मिट स्ट्रीट, मद्रास।

श्रो० आनन्दराम,
मक्षम प्राविकारी
महायकर ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख: 12-10-1979
मोहर:

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 18th October 1979

No. F. 19/79-SCA(1).—The services of Shri A. N. Oberai, Deputy Registrar, Supreme Court of India have been placed at the disposal of the Vice-President of India with effect from the forenoon of October 18, 1979, until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri A. S. V. Raghavan, Assistant Registrar as officiating Deputy Registrar with effect from the forenoon of October 18, 1979, until further orders.

R. SUBBA RAO,
Registrar (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-
TIVE REFORMS,
LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF
ADMINISTRATION

Mussoorie, the 16th October 1979

No. 2/46/75-TST.—In continuation of this Office Notification of even number dated May 24, 1979, the Director is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri K. C. Saxena as Librarian for a further period of six months with effect from 15.10.1979 or till a regular appointment is made whichever is earlier.

K. RANGARAJAN,
Deputy Director (Sr.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23 October 1979

No. A.-35013/15/79-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri D. N. Batra, an officer on deputation from Border Security Force, as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the afternoon of 24-9-79 and until further orders.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E) C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE,

New Delhi-110001, the 18th October 1979

No. O.II-227/69-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Shri Hema Ram, Subedar of CRPF to the rank of deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post in 12 Bn, CRPF w.e.f. 23-8-79 (AN).

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 19th October 1979

No. 10.21/79-Ad.I-21720.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Dr. R. R. Tripathi, Research Officer (Map) in the office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Map Officer, on *ad-hoc* basis, in the same office, as Map Officer in the same office, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 25 September 1979, until further orders.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA

No. 3965-GE.I/III-79

New Delhi-110002, the 17th/19th October 1979

No. 467-GE.I/V-12/PF Pt. IV, dated 3-2-79.—Shri N. Venkateraman, IAAS has retired from service with effect from 26-1-79 (AN).

No. 265-GE.I/N-44/PF, dated 20-1-79.—Consequent on her marriage, Kumari D. V. Nandini has been permitted to change her name to Smt. Nandini Yeshwant Kapdi.

No. 540-GE.I/I-7/PF Pt.III(K.W.), dated 14-2-79.—Shri A. M. Lanker, IAAS, has been permitted to retire from service with effect from 30-4-79 (AN).

No. 972-GE.I/O-4/PF, dated 19-3-79.—Consequent on her marriage, Kumari Pravin Ohri has been permitted to change her name to Smt. Pravin Tripathi.

No. 1009-GE.I/D-39/PF, dated 20-3-79.—Comptroller and Auditor General of India is pleased to promote Shri A. C. Das, IAAS to officiate in the Junior Administrative Grade of service while holding the post of Chief Audit Officer, Office of the Auditor General, Govt. of Bhutan with effect from 18th April 1978 until further orders.

According to paragraph 1 of Ministry of External Affairs letter No. EIV/551/19/72 dated 10-5-73 governing his deputation to the Govt. of Bhutan, if the officer becomes due for promotion in his parent department while on deputation, he will not be entitled to the financial benefits of the same during the deputation. Consequently, no arrears arising out of promotion to the Junior Administrative Grade will be payable to Shri A. C. Das upto 5-9-78.

No. 1246-GE.I/292-74, dated 7-4-79.—Shri A. P. Ghosh, Accountant General, Tripura, Agartala has been appointed to officiate in level I of the Accountant General's grade (Rs. 2500-125/2-2750) with effect from 1-11-78 until further orders.

No. 1248-GE.I/292-74, dated 7-4-79.—Shri S. Jayaraman, Accountant General, Rajasthan, Jaipur, has been appointed to officiate in level I of the Accountant General's grade (Rs. 2500-125/2-2750) with effect from 1-1-79 until further orders.

No. 1202-GE.I/121-77, dated 10-4-79.—Comptroller and Auditor General of India is pleased to promote Shri A. C. Saha, an officer in the senior time scale of IAAS, to officiate in the Junior Administrative Grade of the service (Rs. 1500-60-1800-100-2000) while holding the post of chief pay and Accounts Officer, Govt. of Sikkim, Gangtok with effect from 18th December, 1978 until further orders under the second proviso to F.R. 30(1).

No. 1480-GE.I/S-109/PF, dated 21-4-79.—Shri B. P. Sinha, IAAS has retired from service with effect from 31st March 1979 (AN).

No. 1484-GE.I/84-78, dated 27-4-79.—The Comptroller and Auditor General of India is pleased to appoint Shri A. Gnanaolivu to the Accountant General level II grade (2250-125/2-2500) in an officiating capacity, while holding the post of Accounts Member, Tamil Nadu Electricity Board, Madras, with effect from 3-3-79 (AN) until further orders, under the second proviso to F.R. 30(1).

No. 1473-GE.I/K-68/PF, dated 27-4-79.—Consequent on her marriage, Smt. Snimer Kaur, has been permitted to change her name to Smt. Snimer Kaur Sahni.

No. 2152-GE.I/84-78, dated 6-6-79.—The Comptroller and Auditor General of India is pleased to appoint the following officers of IAAS to Accountant General level II grade (Rs. 2250-125/2-2500) in an officiating capacity while holding the posts mentioned against them with effect from the date indi-

cated against each until further orders under second proviso to FR 30(1).

1. Shri V. S. Bhardwaj, Chief Accountant Delhi Municipal Corporation, Delhi, 16-4-79.
2. Shri S. Chandrasekhar, Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Mineral Exploration Corp. Limited, Nagpur, 16-4-1979.

No. 2895-GE.I/121-77, dated 30-7-79.—Comptroller and Auditor General of India is pleased to promote Shri Surinder Pal, an officer in the senior time scale of IAAS, to officiate in the junior Administrative Grade of the service (Rs. 1500-60-1800-100-2000) while holding the post of Finance Officer, Aligarh Muslim University, with effect from 16-4-79 (AN) until further orders under the second proviso to FR 30(1).

No. 3150-GE.I/S-115/PF.Pt.III, dated 20-8-79.—Shri K. Sundaram, IAAS, has retired from service with effect from 2nd August, 1979 (AN).

B. M. OZA,
Asstt. Comptroller and Auditor General (Personnel)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA
Trivandrum-695 001, the 10th October 1979

No. Estt/Ett/VI/10-3.—Shri N. PARAMESWARAN NAIR, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala retired from service on superannuation in the AN of 30-9-1979.

No. Estt/Entt/VI/10-3.—Shri C. K. THANKAPPAN, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala retired from service on superannuation in the AN of 30-9-1979.

S. SETHURAMAN,
Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 23rd October 1979

No. Admn-1/8-132/79-30/150.—Shri K. NARAYANA-MURTHI, Accounts Officer, Office of the Accountant General I, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 30-9-79 AN.

(Sd.) ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD
DGOF HQRS. CIVIL SERVICE
Calcutta, the 8th October 1979

No. 17/79/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Sunil Kumar Bhattacharjee (I), Permtt. Asstt., as Assistant Staff Officer, in Offg. capacity, on *ad-hoc* basis, in a leave vacancy, for 67 days from 12-9-79 or till the officer, against whose leave vacancy promotion is ordered, resumes duties whichever is earlier.

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 17th October 1979

No. 51/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri R. C. Chawla, OSD (Offg. Sr. DADGOF/Manager) (Subst. & Permis. DADGOF/Dy. Manager) retired from service w.e.f. 31st August, 1979 (A.N.).

V. K. MEHTA
Assistant Director General, Ordnance Fys.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 18th October 1979

No. Admn. I/O.O./361/5-6/Promotion/79-80/1387 dated 28-9-1979.—The Director of Audit, hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Audit Officers, with effect from the Afternoon of 28-9-1979, until further orders :—

Sl. No. Name

1. Shri C. L. Arora
2. Shri O. P. Malik
3. Shri Y. P. Narula
4. Shri N. N. Jain

K. H. CHHAYA
Joint Director (Admn.)

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 6th November 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by three points to reach 363 (three hundred and sixty three) during the month of September, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of September, 1979 works out to 441 (four hundred and forty one).

TRIBHUAN SINGH
Deputy Director
Labour Bureau

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 16th October 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1279/79-Admn.(G)/7452.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Mukesh Bhatnagar as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Kanpur in an officiating capacity with effect from the afternoon of 7th September, 1979 until further orders.

2. Shri Bhatnagar as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200/-.

No. 6/1283/79-Admn. (G)/7462.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri K. K. Bhowmick, Assistant Foreman in the Ordnance Equipment Factory, Ministry of Defence, Kanpur as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta in an officiating capacity with effect from the forenoon of 19th September, 1979, until further orders.

2. Shri Bhowmick as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200.

No. 6/1285/79-Admn. (G)/7470.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Smt. Sashi Balasubramanian as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 21st September, 1979, until further orders.

2. Smt. Balasubramanian as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—810—40—1000—EB—40—1200.

No. 6/1286/79-Admn. (G)/7474.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri M. Balagangadhara, ACIO-II, Subsidiary Intelligence Bureau, Ministry of Home Affairs, Bombay as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st September, 1979, until further orders.

2. Shri Balagangadhara as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200.

No. 6/1282/79-Admn. (G)/7489.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri P. Ganesan, Assistant in the Intelligence Bureau, Ministry of Home Affairs, New Delhi as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 6th September, 1979, until further orders.

2. Shri Ganesan as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-110 011, the 6th October 1979

No. A-19018(404)/79-Admn. (G).—On completion of his tenure, Shri B. D. Tekriwal, an officer of the Indian Postal Service relinquished charge of the post of Joint Development Commissioner, in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the afternoon of 28th July, 1979.

M. P. GUPTA

Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 15th October 1979

No. A-6/247(602).—The President is pleased to appoint Shri Vishwa Prakash, Assistant Director of Inspection (Met) (Grade III of Metallurgical Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A') to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director of Inspection (Grade II of Metallurgical Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A') with effect from the forenoon of 30th August, 1979 and until further orders.

2. Shri Vishwa Prakash relinquished charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met) at Bhilai under the Directorate of Inspection Tatnagar on the afternoon of 29th August, 1979 and assumed charge of the post of Dy. Director of Inspection (Met) at Rourkela under the same Directorate on the forenoon of 30th August, 1979.

No. 17011/47/72-A-6.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Satwah, Inspecting Officer (Engg.) in Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engineering Branch) to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director of Inspection (Engineering) in Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engineering Branch) with effect from the forenoon of 18th September, 1979 and until further orders.

2. Shri A. K. Satwah relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) in the office of Director of Inspection, Bombay on the afternoon of 5th September, 1979 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engineering) in the office of Director of Inspection Calcutta on the forenoon of 18th September, 1979.

The 23rd October 1979

No. A-17011/162/79-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri M. Madhava Rao, Examiner of Stores (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Madras to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, Bombay under this Dte. General with effect from the forenoon of 31st August, 1979 and until further orders.

P. D. SETH

Deputy Director (Administration)
for Directorate General of Supplies & Disposals

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 17th October 1979

No. C-5563/724-SOS(A).—Shri B. Hopo, Stores Assistant (Sel. Gde.) is appointed to officiate as Assistant Stores Officer (GCS Group 'B' post) in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 550—25—750—EB—30—900 with effect from 10th September, 1979 (FN).

The 19th October 1979

No. El-5566/913-H.—In continuation of this office Notification No. El-5442/913-H dated the 14th December, 1978, the ad-hoc appointment of Shri R. K. Chamoli, Hindi Officer of the Surveyor General's Office is further extended upto 30th September, 1979. This office Notification issued under No. El-5479/913-H dated the 19th April, 1979 is hereby cancelled.

K. L. KHOSLA

Major General
Surveyor General of India

DIRECTOR GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi, the 19th October 1979

No. A-19012/30/79-SII.—Director General, Doordarshan is pleased to appoint Shri S. Santhu, previously working as Sr. Accountant at C.S.U. CBS, AIR, Bombay as Administrative Officer, Doordarshan Kendra, Bombay in the scale of Rs. 650—960 with effect from 10-8-1979 forenoon, until further orders.

No. A-19012/29/79-SII.—Director General, Doordarshan is pleased to appoint Shri J. C. Gupta, previously working as Accountant at AIR, Simla, as Administrative Officer at Doordarshan Kendra, Srinagar in the scale of Rs. 650—960 with effect from 1-9-1979 (FN), until further orders.

C. L. ARYA

Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 9th October 1979

No. A-20011/2/73-Est. I.—Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri R. Krishnamohan, Grade III Officer of CIS Officiating Script Writer as Research Officer for the Working Group for Autonomy for Films Division from 29-8-1979 (F.N.) at Bombay.

N. N. SHARMA

Asst. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 15th October 1979

No. A.12026/2/77-Estt.—Shri R. D. Chari, a permanent Senior Accountant in the Directorate of Advertising & Visual Publicity is appointed to officiate as Accounts Officer on ad-hoc basis, with effect from the forenoon of 3rd October, 1979, until further orders.

The 17th October 1979

No. A.12025/1/79 Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri A. S. Krishnamoorthy as Senior Artist, in a temporary capacity, with effect from 13th September, 1979, until further orders.

The 19th October 1979

No. A.12026/5/79-Est.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri D. L. Ghoshal, Distribution Assistant to officiate as Assistant Distribution Officer on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 25th September, 1979 vice Shri Jogi Ram Langan, Assistant Distribution Officer, granted leave.

J. R. LIKHI, Dy. Dir. (Admn.)
for Director

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA

(KRISHI VIBHAG)

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 15th October 1979

No. F.3-48/79-Estt.(I).—The ad hoc appointments of S/Shri S. L. Dhir, K. R. Vij and O. P. Bhasin in the posts of Superintendents (Grade I) are further continued beyond 30-9-1979 and upto 31-10-1979.

B. N. CHADHA,
Director Administration

**INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION**

Bombay-400058, the 11th September 1979

F. No. 2-12/79/Estt/5363.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Group 'B') of the Ministry of Agriculture & Irrigation, Department of Agriculture, New Delhi, the undersigned is pleased to appoint Shri D. V. Reddi, substantively to the permanent post of Farm Superintendent, Brackish water fish farm, Kakinada w.e.f. 9th July, 1976.

Sd- ILLEGIBLE
Dirtcor

**MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Faridabad, the 15th October 1979

No. A-19024/4/79-A.III.—Shri G. N. Garg, Senior Chemist, is appointed to officiate as Chief Chemist at R.A.I., Ghaziabad on ad-hoc basis, w.e.f. 14-9-79 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIHAR,
Director of Admn.
for Agricultural Marketing Adviser

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(ATOMIC MINERALS DIVISION)**

Hyderabad-500016, the 16th October 1979

No. AMD/2/2798/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, has accepted the resignation submitted by Dr. P. Narasimha Murty, a temporary Assistant Surgeon with effect from 28th September, 1979 (AN).

The 22nd October 1979

No. AMD-1/13/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ajay Kumar Tilwankar Rao as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd September, 1979 until further orders.

M. S. RAO,
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 16th October 1979

No. Ref. HWP/Estt/1/C-33/6006.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects appoints Shri Dattatraya Shriram Chine, a temporary Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of Heavy Water Project (Kota), to officiate as Assistant Accounts Officer in the same project in a temporary capacity on adhoc basis, with effect from May 14, 1979 (FN) to June 23, 1979 (AN) vice Shri S. R. Shidlyali, Assistant Accounts Officer appointed to officiate as Accounts Officer II.

No. Ref. HWP/Estt/1/S-25/6007.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shivaputra Revappa Shidlyali, a permanent Lower Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accounts Officer of Heavy Water Project (Kota), to officiate as Accounts Officer II, in the same project, in a temporary capacity, on adhoc basis, with effect from May 14, 1979 (FN) to June 23, 1979 (AN) vice Shri A. N. S. Govindasamy, Accounts Officer II, granted leave.

R. C. KOTIANKAR,
Senior Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL – AVIATION

New Delhi, the 10th October 1979

No. A-38013/1/79-EA.—Shri B. L. Chaddah, Asstt. Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi retired on the 31st August, 1979 AN on attaining the age of superannuation.

No. A-38015/5/76-EA.—Shri S. T. Thomas, Asstt. Aerodrome Officer, office of the Regional Director, Madras Airport, Madras retired from Government service on the 30th September, 1979 AN on attaining the age of superannuation.

V. V. JOHRI,
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 11th October 1979

No. A.35018/26/78-E.I.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri T. P. Nellayappan, Senior Officer (Audit) in the office of the Director of Audit, Southern Railway, Madurai Division, as Accounts Officer (Cost) in the scale of pay of Rs. 840—1200, in the Headquarters office of Civil Aviation Department, New Delhi, on deputation with effect from the forenoon of the 1st September, 1979 for a period of two years, in the first instance.

C. K. VATSA,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 16th October 1979

No. A.32013/4/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri L. R. Garg, Assistant Director of Communication, DGCA (HQ) to the grade of Deputy Director of Communication with effect from 24-9-79 (AN) on ad-hoc basis for a period of six months or till regular appointments are made to the grade whichever is earlier and to post him in the same office.

The 19th October 1979

No. A.32014/4/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Saroj Kumar Sen, Communication Assistant, ACS, Calcutta to the grade of Asstt.

Communication Officer on ad-hoc basis with effect from 7-9-79 (FN) and to post him in the same station.

No. A.32014/4/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri P. A. Mathunuy, Communication Assistant, ACS, Palam to the grade of Assistant Communication Officer, on regular basis, with effect from 5-9-79 (FN), and to post him at the same station.

No. A.32014/4/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. N. Bhagwat, Communication Assistant, ACS, Belgaum to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from 29-9-79 (FN) and to post him in Aeronautical Communication Station, Bombay.

No. A.12025/1/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri Arvind Kumar Agarwal in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officer with effect from 26-9-79 (FN) and to post him in the office of the Director Radio Construction & Development Units, New Delhi until further orders.

No. A.38012/1/79-EC.—Shri R. K. Bhaduri, Assistant Technical Officer, ACS, Raipur relinquished charge of his office on 31-8-79 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

R. N. DAS,
Assistant Director of Administration

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS
(CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)**

New Delhi, the 17th October 1979

No. 33/11/78-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri M. A. Aziz a nominee of U.P.S.C. as Deputy Architect

in the CPWD against a temporary post in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 with effect from 14-9-79 (FN) on the usual terms and conditions.

2. Shri Aziz is placed on probation for a period of 2 years from his date of appointment as Deputy Architect.

H. D. SINHA,
Dy. Director of Administration

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD**

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s Appachi Dairy and Agricultural Farm Private Limited.*

Madras-600 006, the 23rd October 1979

No. 6938/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Appachi Dairy and Agricultural Farm Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Rafeeq-Shafeeq Leathers Private Limited.*

Madras-600006, the 23rd October 1979

No. 7025/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rafeeq-Shafeeq Leathers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN,
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu.

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001**

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. JAC/Acq.III/10-79/395.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 840 sq. yds. land in situated at village Piran Garhi Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Hari Kishan, Shri Kishan and Bal Krishan s/o Shri Paras Ram R/O 17/25, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harinder Singh Hassainwalia s/o Shri I. S. Hassanwalia R/o B-87, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lal Dora land measuring about 840 sq. yds. out of 2520 sq. yds. Khasra No. 487/53, 467/54 and 487/60 area of Village Piran Garhi Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hari Krishan, Shri Krishan and Bal Krishan &/o
Shri Paras Ram R/o 17/25, East Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(2) M/s Kulwant Electrical Industries H-1/9, Krishan
Nagar Delhi through its partner Harcharan Singh
Hasanwala.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001**

New Delhi, the 9th October 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/396.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 840 sq. yds. land situated at Village Piran Garhi Delhi
State, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on 7-2-1979,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette, or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in respect
of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lal Dora land measuring about 840 sq. yds. out of 2520
sq. yds. Khasra No. 487/53, 487/54 and 487/60 area of Village
Piran Garhi Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Krishan, Shri Krishan and Shri Bal Krishan s/o Shri Paras Ram R/o 17/25, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harsharan Singh Hasanwalia s/o Shri Kulwant Singh R/o H-1/9, Krishan Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/397.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 840 sq. yds. land situated at village Piran Garhi Delhi State, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the valid instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lal Dora land measuring about 840 sq. yds. out of 2520 sq. yds. Khasra No. 487/53, 487/54 and 487/60 area of village Piran Garhi Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979,

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/398.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
 being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 83 situated at West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Onkar Singh S/o S. Sardar Singh, R/o Link Road Cuttack (Orissa) at present 2747 Minerva Lane, Kashmere Gate, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Shri Rajnish Kukreja S/o Harish Kukreja R/o A-9, Wazirpur Industrial Area, New Delhi-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 300 sq. yds. out of Plot No. 83 on West Avenue Road, Punjabi Bagh New Delhi area of village Madipur, Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
 4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/399.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 3/8th share of property situated at No. 846 Ward No. XVI Block F, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-2-1979,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 —316GI|79

(1) Shri Lakhan Lal S/o Seth Lachman Dass R/o 2B/1, Ganga Ram Hospital Road, Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Kumari B. K. Aruna D/o Shri Brahma and Km. B. K. Renu D/o Shri Brahma R/o 25, New Rohtak Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/8th share (Undivided share) of property bearing Municipal No. 846, situated in Ward No. XVI Block F, W.E.A. Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi, bounded as under :—

North : Property bearing Khasra No. 198/31.
 South : Property bearing Khusra No. 200/31.
 East : Road.
 West : Gali

D. P. GOYAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979,
 Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III****4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/10-79/400.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Prop. No. 10211 Block S, situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Lekhraj Chanana and Sons (HUF) through Shri Lekh Raj Chanana (Karta) 14A/31, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi Smt. Saras Khullar R/o 3-B/5, Poorvi Marg & M/s S. R. Chanana and Sons (R.F.) through its managing partner Shri S. R. Chanana R/o 9A/31, WEA, K. Bagh,

(Transferor)

(2) M/s Behari Lal Lal Chond (HUF) 2170, Tilak Bazar, Delhi through Behari Lal Chandok & M/s Chand Prakash & Sons (HUF) through Chand Parkash Karta, 41-Pusa Road, New Delhi,

(Transferee)

- (3) 1. M/s May & Baker (India) P. Ltd.
2. Indian Bank.
3. S. R. Chanana and Sons.
4. Mohan Bros Associates.
5. Om Prakash Darshan Lal.
6. Jolly Foot Wear (India).
7. Leather Links.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

A two and a half storeyed building alongwith basement on plot measuring 444 sq. yds. bearing Khasra No. 1451/1255 Block S, bearing municipal No. 10211 situated in Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Road.

South : Road.

East : Property No. 1452/1255.

West : Property No. 1450/1255.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vidya Vati W/o M. L. Mehta R/o R-710,
New Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Om Kumar I.A.S., and Vimal Kumar sons of
Dr. Hari Kishan Dass R/o B-342, New Rajinder
Nagar, New Delhi.
(Transferee)

(3) Shri O. P. Soni and Mr. Ashok Kumar Mehta.
(Person(s) in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/10-79/401.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R-710, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two and a half storeyed building bearing property No. R-710, measuring 200 sq. yds. situated in New Rajinder Nagar, New Delhi bounded as under :—

East : Service Lane.
West : Road
North : R-709, New Rajinder Nagar, New Delhi.
South : Side Road.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110002

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/10-79/402.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N-23, situated at Malviya Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dr. Ram Krishan Khatri S/o late Shri Gobind Ram Khatri R/o 11901, Bunchberry Lane, Gaithersburg Maryland (USA) at present R/o H. No. N-23, Malviya Nagar, New Delhi through Shri Bhim Singh Sapra S/o late Madan Lal Sapra R/o J-145, Ashok Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri J. C. Gandhi S/o late Shri Shanti Lal Gandhi R/o F-95, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. N-23, situated at Malviya Nagar, New Delhi-17, built on lease hold plot measuring 200 sq. yds.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Manohar Lal Bansal S/o Chandgri Ram, 4/21, Jaidev Park Rohtak Road Delhi and Ramesh Chand Jain S/o Chhote Lal, 4345, Gali Bahuji, Sadar Bazar Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh Allagh S/o S. Rattan Singh Allagh, 1196, Rohtas Nagar, Shahdara Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/403.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. B-42, situated at Jyoti Nagar (East) Loni Road, Shahdara Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 20-2-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A residential plot bearing No. 42 in Block "B" measuring 533.3 sq. yds. in the colony known as Jyoti Nagar (East) situated on Loni Road, Shahdara, Delhi falling in part of Khasra No. 869 Vill. Gokarpur (Shahdara-Delhi) bounded as under :—

North : Others Land.
South : Plot No. B/41.
East : Service Land.
West : Main Road.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Gurcharan Kaur Wd/o Shri Uttam Singh R/o 1/17, Old Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Raj Krishan Kumar S/o Dass Mal R/o 6/50, Old Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/10-79/404.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/17 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed build No. 1/17, Old Rajinder Nagar New Delhi bounded as under :—

North West : Road 30' wide
South East : Service Road,
North East : Side Road,
South West : House No. 1/18.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kunti Devi W/o Late Shri Karam Chand
Khanna R/o 4A/31, Old Rajinder Nagar, New
Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Darshan Lal S/o Shri Shankar Dass R/o T-311,
Baljit Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/10-79/405.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. 4A/31 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 20-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

One Govt. Built Qr. No. 4A/31, Old Rajinder Nagar, New
Delhi with lease hold rights of the land under the said quarter bounded as under :—

North : Gali.
South : Gali.
East : G.B.P.
West : G.B.P.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dhian Singh S/o Ganda Singh R/o J-8/111, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Vinita Sachdeva W/o Dr. Rajinder Kumar Sachdeva R/o 7055, Beriwala Bagh, Pul Bandash, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/10-79/406.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing No. J-8/111 situated at Rajouri Garden New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on plot No. J-8/111 measuring 160 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of village Tatarpur Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1979,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Panna Singh and Amrit Singh sons of S. Santa Singh R/o 327 and 328, Seelampur Phase-III, Shahdara Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFAU ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79-407.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 39, Class C, situated at West Avenue Road,
Punjabi Bagh, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
Delhi on 26-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been nor
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jasbir Singh and Shri Janakbir Singh sons of S. Ram Singh R/o 21/56, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing plot No. 39, on West Avenue Road, in Class C, measuring 555.55 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of Village Madipur Delhi State, Delhi, bounded as under :—

North : Service Lane.
South : West Avenue Road
East : Plot No. 37
West : Plot No. 41.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 9-10-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
16 -316G/79

FORM ITNS

(1) Shri Joginder Singh S/o Harnam Dass R/o EA-83,
Inder Puri Extn., New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amrit K. Chadha S/o V. P. Chadha, R/o G-149, Naraina Vihar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. JAC/Acq.III/10-79/408.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing
No. EA-83 situated at Inderpuri Extn., New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on 7-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. EA-83, measuring 200 sq. yds. situated
at Inderpuri Extension, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Harminder Kaur Alias Mohinder Kaur W/o Seth Tirlokin Singh Chawla R/o 1/6B, Pusa Road, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/409.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13/30 situated at Ajmal Khan Road, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(2) Smt. Shoba Rani W/o Shri B. D. Mehra R/o A-9, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A commercial property bearing No. 13/30 situated at Ajmal Khan Road, Karol Bagh, W.E.A. New Delhi with the lease hold rights of the land measuring 256.67 sq. yds. under the said property bounded as under :—

North : Road.

South : Lane.

East : Ajmal Khan Road.

West : Plot No. 29.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Parneshwar Nath Madan 2123, Sector 15-C,
Chandigarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/410, Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S-4, situated at Green Park Extension (Market), New Delhi-16.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 28-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s Suresh Chand Jain (HUF) B-1/30A, Hauz Khas Enclave, New Delhi-110016.
(Transferee)

(3) M/s Export India Corporation B1/30A, Hauz Khas Enclave, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building built on the freehold commercial plot of land bearing No. 4 Block No. S, measuring 200 sq. yds. i.e., 167.441 sq. meter situated in the colony known as Green Park Extension in the Revenue Estate of Village Yusaf Sarai Jat on Delhi Qutab Road New Delhi bounded as under :—

East : Plot No. S-3.
West : Building No. S-5.
North : Road.
South : Lane.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.
Sect

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10 79/411.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 13/22 situated at W.F.A. Karol Bagh, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 19-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

(1) 1. Shri Dnaram Pal Aneja, 2. Madan Gopal Aneja,
3. Rajendra Aneja, 4. Dr. Krishan Gopal Aneja sons
of Ram Ditta Mal all R/o 3929 Gali No. 28, Rehgarpur,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kartar Singh s/o late Sunder Singh, 2.
Surinder Pal Singh, 3. Upkar Singh, 4. Brij Pal
Singh, 5. Arvinder Pal Singh sons of Kartar Singh
R/o 5-North West Avenue, Punjabi Bagh, New
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 13.32, situated in W.E.A. Karol
Bagh New Delhi with the lease hold rights of the land
measuring 284 sq. vds. bearing plot No. 32 Block 13, Khasra
No. 1510/1147 and bounded as under :—

North : Plot No. 31.
South : Plot No. 33.
East : Road.
West : Service Lane.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/412.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 53/42 situated at Ramjas Road, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sant Ram Anand S/o late Kirpa Ram Anand R/o 53/42, Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi through Lt. Col. T. N. Anand, general attorney, (Transferor)

(2) Shri Sunder Lal and Ramesh Chand sons of Piro Mal R/o 4431, Cloth Market, Fatehpuri, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed house measuring 267.7 sq. yds. bearing plot No. 42 Block No. 53, situated at Ramjas Road, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prem Parkash Narang S/o Shiv Narain Narang
R/o 57/18, Old Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kaushalya Devi W/o Krishan Lal R/o 2439,
Gali No. 11, Beadonpura Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/413.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing
No. 57/18 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 6-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Govt. Built Qr. No. 57/18, Old Rajinder Nagar New Delhi with the lease hold rights of the land under the said quarter measuring 88 sq. yds. bounded as under :—

North : Road.
South : Open Space.
East : Service Lane.
West : House No. 57/19.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
414A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC Acq.III/10-79/414.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 64, Block J-9 situated at Rajouri Garden, New
Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on 8-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

(1) Shri September Singh Alias Satamber sons of S.
Puria Singh R/o Lakhpura Tehsil Nawa Shar Distt.
Jullundur at present LV/3097 Ranjit Nagar, New
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj Rawal S/o Bagga Mal Rawal R/o J-5/
67 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land bearing plot No. 64 in Block J-9
(I-9/64) measuring 320 sq. yds. situated in the residential
colony known as Rajouri Garden, area of village Tatarpur
Delhi State, Delhi bounded as under :—

North : Plot No. J-9/65 (built up).
South : Plot No. I-9/63 (built up).
East : Property No J 9/3
West : Road.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/415.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 61/12 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 13-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

17-316GI/79

(1) Smt. Sushila Devi, Veeran Devi, Shakuntla Devi,
Vidya Vati, Leela Vati all R/o 53/57, Ramjas Road
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tirath Ram S/o Shri Mool Chand 61/12, Old
Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed built house No. 61/12, Old
Rajinder Nagar New Delhi with the lease hold rights of the
land under the said house measuring 85.9 sq. yds. and the
said house is bounded as under :—

East : Road.
West : Service Lane.
North : House No. 61/11, Old Rajinder Nagar, New
Delhi.
South : House No. 61/13, Old Rajinder Nagar, New
Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Badhwar & Co. through Shri Jagan Nath S/o L. Ram Roop Prop. at 340/1 G.T. Road, Shahdara Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Ellora Industries at 340 G.T. Road Shahdara Delhi through its partner Shri Rajinder Kumar Chhabra S/o Sham Lal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

4/14 V, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/10-79/416.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 340/1 situated at G. T. Road Shahdara Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Workshop shed No. 340/1, G.T. Road, Shahdara Delhi-32.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Subhash Chander S/o Naginder Nath R/o D-131, West Patel Nagar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/417.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 16 Road No. 40 situated at Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Sagar Mal S/o Mangli Ram and Smt. Dhanpati Devi W/o Naurang Rai R/o 12/52, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Plot No. 16 on Road No. 40 in Class D, measuring 279.75 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh area of village Madipur Delhi State, Delhi bounded as under :—

North : Service Lane.
South : Road.
East : Plot No. 14.
West : Plot No. 16-A.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagdish Raj Grover S/o Shri Rishi Ram Grover
R/o 1F/4, Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kanta Devi Jain W/o Shri Deep Chand Jain
R/o IV/618, Bhola Nath Nagar Shahdara Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III**

4/14A, ASAFT AIR ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/418.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 4/618, situated at Bhola Nath Nagar, Shahdara, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on 23-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

A free hold residential house bearing Municipal No. 252A/
3, K and new No. IV/618, Part of Khasra No. 624, min and
Khewat No. 1, situated at Village Chandrawali abadi known
as Bhola Nagh Nagar, Block D.S., Illaqa Shahdara Delhi and
bounded as under :—

East : Road 14' wide.
West : Road 8' wide.
North : Plot No. 116 and Mpl No. IV/619.
South : Plot No. 114 and Mpl No. IV/617.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 9-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001 the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/10-79/419.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19½ biswas (983 sq. yds.) land situated at Village Nawada Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rattan Lal, Surat Singh, Des Ram, Mohan Lal, Ram Chel, Dharam Singh, Nand Lal, Bhagwan Dass sons of Bhola R/o Village Nawada, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nanak Chand S/o Sadhu Ram R/o 63, M. M. Motia Khan, Paharganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 19½ biswas (938 sq. yds.) out of Khasra No. 674 situated in the Revenue Estate of village Nawada Majnu Hastal Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/420.—Whereas, I, D. P. GOYAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19½ biswas (983 sq. yds.) situated at Village Nawada Delhi State, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwan Dass, Nand Lal, Ram Chel, Dharam Singh, Rattan Lal, Surat Singh, Dea Ram and Mohan Lal sons of Shri Bhola R/o Village Nawada Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bal Chand S/o Sadhu Ram R/o F-136, Phase-II, Rewari Lane, Mayapuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 19½ biswas (983 sq. yds.) out of Khasra No. 674 situated in the Revenue Estate of Village Nawada Mujra Hastal Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-III**

4 '14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/421.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/81 situated at Punjabi Bagh, New Delhi,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Lt. Col. Joginder Singh Dhodi self and Regd. attorney of Shri Dali Singh, (2) Col. Gurcharan Singh Dhodi (3) Surinder Singh Dhodi sons of late Maj. Gopal Singh Fatch R/o 7/81, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sham Sunder S/o Lajpat Rai, (2) Naresh Kumar S/o Sham Sunder (3) Kamla Rani W/o Sham Sunder Ali R/o 7/81, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7 on Road No. 81 measuring 555.55 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of Village Madipur, Delhi State, Delhi bounded as under :—

North : Plot No. 5 (Built up).
 South : Plot No. 9 (Vacant).
 East : Road No. 81 (30' wide).
 West : Service Lane (15' wide).

D. P. GOYAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/42?.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. N-19 situated at Green Park Extn., New Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 21-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sat Parkash Aggarwal S/o Lekh Ram Aggarwal
R/o 22, Aceeda Kutir, 217C, Mount Marry Road
Bandra Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Singh S/o Sher Singh Sher C/o Pal & Associates G-48, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

1/2 share in total Plot No. N-19 Green Park Extension, New Delhi of total plot admeasuring 666 sq. yds.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITN3(1) Smt. Sita Devi W/o Ved Prakash Bansal 57/20,
Ashok Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ishwar Kaur W/o Gurbax Singh, F-62, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/423.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 of Plot No. N-19 situated at Green Park Extension, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/2 share in total plot No. N-19 measuring 333 sq. yds. (total 666 sq. yds.) situated at Green Park Extension, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—316GI/79

Date : 9-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Narinder Nath Sharma S/o Multani Ram R/o C-19, Malviya Nagar, New Delhi-110017.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/10-79/424.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. C-19, situated at Malviya Nagar, New Delhi.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 28-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) Shri Mahender Singh S/o Dhara Singh R/o H-
3/4, Malviya Nagar, New Delhi-110017.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. C-19, Malviya Nagar New Delhi-110017 constructed on a leasehold plot measuring 291 sq. yds.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 9-10-1979,

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Scindia Investment P. Ltd. having its Regd. office at Gwalior, Madhya Pradesh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ranvinder Singh, Ajay Singh and Rajesh Singh R/o 145, Gujranwala Town, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 17th October 1979

Re. No. IAC/Acq.II/Feb 73/4965.—Whereas I, R. B. L. AGGRAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-7/37, situated at Rajpur Road, Civil Lines, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Plot No. B-7/37 measuring 490 sq. meters situated at Rajpur Road, Civil Lines, Delhi.

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-10-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 11th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-II/2/79/1011.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.
 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 3-2-1979
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kartar Singh son of Shri Lakhi Ram R/o Bijwasan attorney for Mir Singh S/o Sh. Ramesh R/o Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Ved Parkash Dewan S/o Shri Amar Nath Dewan, R/o E-37, Shastri Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Agricultural land measuring 19 Bigha 1 Biswa Khat No. 33 Kila No. 16 (4-13) 25, (4-16) 209-34, 20 (4-16) and 24 (4-16) Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi Registered on 3-2-78.

THE SCHEDULE

(MISS) ANJANI OZA
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range I,
 Delhi/New Delhi.

Date : 11-10-1979

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/Feb. 38/1079/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land 7 bighas situated at Vill. Gadaipur or Delhi Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Bhagwati W/o Bharat Singh D/o Bihari Lal, Shanti W/o Dharan Singh D/o Hans Raj, Champi Wd/o Diwan Singh, Hira Wati W/o Attar Singh through G.A. Sh. Daya Ram S/o Munshi Ram R/o Village Gadaipur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prabhji Singh S/o Aya Singh R/o Gadaipur New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural land area 7 bigha, khasra No. 229(4-9), 231(1-1) 272 (Min) (1-10) situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli Delhi State Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-10-1979.
Seal :

FORM I(TNS)

(1) Shri Vinay Mehta s/o Shri Satya Pal Mehta, r/o 3-A/3, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUE BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1979

Ref. No. IAC.Acq.SRIII/FebII(29)/1070).—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot No. S. 416, situated at Greater Kailash II New Delhi, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 24-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing No. 416, Block No. 'S' measuring 556 sq. yds, and situated in Greater Kailash-II, New Delhi. Within the limits of Delhi Municipal and bounded as under :—

East : Service Lane.

West : Road.

North : Plot No. S-414.

South : Plot No. S-418.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 19-10-1979..

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Parkash Wati W/o Om Prakash 25-Hanuman Road New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. S. Parthasarthy, N. S. Padmanathan Kr. N. S. Raj son & daughter of N. P. Seshadri R/o 20/1 Lodi Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUE BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.I/Feb.10/1051/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 119 situated at Golf Links New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two and a half storeyed building built on plot of land measuring 375 sq. yds. bearing No. 119, Gold Links New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 18-10-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUE BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI**

New Delhi, the 18th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/Feb-47/1040/78-79.—
Whereas, I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land 4 bigha 16 biswas situated at Village Gadaipur Tehsil Meharauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Baljeet Kaur Dhupia W/o S. S. Dhupia through C.A. Sh. Manjit Singh Dhupia S/o Meharban Singh Dhupia R/o Police Station, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Narang W/o K. C. Narang R/o D-51, Ashok Vihar Phase II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas Khaera No. 315, situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 18-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shiv Lal S/o Chanan Ram R/o M-7, Malviya Nagar New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kharaiti Lal S/o Gopal Dass R/o A-IV/19, Daya Nand Colony Lajpat Nagar New Delhi (1/2 share) Sheela Wanti w/o Ram Lal, Sudesh Rani W/o Jag Mohan, Ramesh Kumar S/o Ram Lal (1/2 share) R/o 1552 Kotla Mubarakpur New Delhi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUE BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/Feb.40/1033/78-79.—
Whereas, I, MISS ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 14 Bigha 11 Biswas situated at Agrl. land in Village Sultanpur New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land area 14 bighas and 11 biswas out of Khasra Nos. 749, 748, 750, 751 with tube-well, situated at village Sultanpur Teh. Mehrauli New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—316GI/79

Date : 18-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUE BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/Feb.22/1051/78-79.—Whereas I, MISS. ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28 Block 205 situated at School Lane, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 5-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Attar Kaur Duggal w/o Shri Baldev Singh Duggal R/o D-17, N.D.S.E. Part I New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Jupinder Kaur W/o Shamsher Singh R/o 28, School Lane New Delhi. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 28 in Block No. 205 built on plot of land measuring 330 sq. yds. situated at School Lane New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 18-10-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUE BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-79/1008.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-163 situated at Kalkaji, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27th October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishan Lal Anand, S/o Shri Mathura Dass Anand, r/o House No. 58 B.D. Gandhi Nagar Jammu (J & Kashmir).

(Transferor)

(2) Shri Brij Bhusan Anand, s/o Late Shri Mathura Dass Anand, r/o Qr. No. E-163, Kalkaji New Delhi 110019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Government Built quarter No. E-163, constructed on a-each-old measuring 200 Square Yards,—Situated at Kalkaji, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 19-10-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Raj Pal S/o Sh. Duni Ram R/o Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Bhup Singh, Harbans Singh, Chander Singh, Gian Singh, Azad Singh sons of Fattan Singh R/o Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUE BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 18th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/Feb.13/10006/78-79.—Whereas I, MISS. ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 4 bigha 16 biswas situated at village Sultanpur New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 2-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agrl. land area 4 bigha 16 biswas, khasra No. 398 situated in village Sultanpur, Tehsil Mehrauli New Delhi.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-10-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.**

Jullundur, the 28th September 1979

Ref. No. A.P. -1955.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Bimla Rani W/o Bal Ram, 185 Adarsh Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Vidya Wanti W/o Chuni Lal 20-A New Vijay Nagar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale Deed No. 7527 of February 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-9-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur the 28th September 1979

Ref. No. A.P.-1956.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur on February 1979 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Datal Singh S/o Shri Hazara Singh, 73 Adarsh Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Roshan Lal Puri S/o Sh. Bhagat Ram Puri, 73 Adarsh Nagar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7705 of February 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 4th October 1979

Ref. No. A.P.-1957.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Joginder Singh Bhatia S/o Sh. Sampuran Singh, 82-A Gurjpal Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Mohinbir Singh S/o Sh. Harwail Singh, 82-A Gujalpal Nagar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7388 of Feb. 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Surinder Nath S/o Alakh Parkash, Ladowali Rd., Jullundur.
(Transferor)

(2) M/s. J. B. Sol Bax Industries (P) Ltd. Jullundur through Sh. Avinash Chander Director.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the 6th October 1979

Ref. No. A.P.-1958.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Wariana (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7985 of Feb. 1979 of the Registration Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the 6th October 1979

Ref. No. A.P.-1959.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section **269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (hereinafter referred to as to said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Wariana (Jullundur) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Rajinder Kumar S/o Sh. Alakh Parkash, Ladowali Rd., Jullundur.
(Transferor)
- (2) M/s J. B. Sol Box Industries (P) Ltd. Jullundur, (through Avinash Chander Director).
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Manager, Punjab National Bank Kapurthala.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—316GI/79

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7991 of Feb. 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 6-10-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th October 1979

Ref. No. AP-1960.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mangal Sain Kumar S/o Lakshmi Dass G.A. to Kamal Krishan S/o Devi Ditta Mal, Nursery No. 6, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) 1. Charan Singh 2. Mohinder Singh S/o Sohan Singh 3. Manjit Singh 4. Sukhdev Singh S/o Mohan Singh 5. Karnail Singh 6. Mukhtiar Singh S/o Bishan Singh, Nizamat Nagar, Jullundur.

(Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7995 of February, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 11-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anant Ram S/o Mohan Lal; Jail Road, Near Tehsil, Hoshiarpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th October 1979

Ref. No. AP-1961.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Hoshiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on February 1979.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Smt. Leela Wanti W/o Manohar Lal C/o Shiv Dyal Uttam Chand, Railway Road, Hoshiarpur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4372 of February, 1979 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.**

Jullundur, the 11th October 1979

Ref. No. AP-1962.—Whereas I, B. S. DEHIY^A, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Hoshiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Anant Ram S/o Mohan Lal, Jail Road, Near Tehsil, Hoshiarpur.
(Transferee)

(2) Shri Rana Varinder Singh S/o Madhu Sudhan Singh, S/o Slamat Rai, Dholan Wal P.S. Sadar, Hoshiarpur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the under signed knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4373 of February, 1979 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.**

Jullundur, the 11th October 1979

Ref. No. AP-1963.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Bullowal (Jus.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Feb., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Gurdit Singh S/o Santa Singh Vill. Bullowal Tehsil, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Gurvinder Paul Singh, Maninder Jit Singh S/o Dhanwant Singh Vill. Mukand Pur, Tehsil Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale Deed No. 7327 of February, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1979

Seal :

FORM ITN8

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras, the 24th September 1979

Ref. No. 80/FEB/79.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 86, at Iqbal Road, Muslimpur, Vaniyambadi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Vaniyambadi (Doc. No. 444/79) on Feb. 79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri M. Abdulla Basha Sahib and
2. Smt. Rafeeyabi,
No. 86, Iqbal Road, Muslimpur, Vaniyambadi.
(Transferor)

(2) 1. Shri Jamcoelur Rahaman Sahib &
2. Smt. P. Sirajunnisa,
Old Majith Street, Muslimpur,
Vaniyambadi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 444/79 S.R.O. Vaniyambadi.

Land & Building at Door No. 86, Iqbal Road, Muslimpur, Vaniyambadi, N.A. Dt.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 24-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ragunatha Reddy, No. 9, Dr. Tirumurthy
Nagar 6th Road,
Nungambakkam, Madras-34.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600006

Madras, the 29th September 1979

Ref. No. 67/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, situated at Eighth Cross Main Road, Gandhinagar, Vellore, N.A. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Katpadi-(Doc. No. 598/79) on Feb. 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri S. Sundaram of Indonesia Represented by his Power agent Shri B. Sundaramurthy, 9, Eighth Cross Main Road, Gandhinagar, Vellore-6.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Document No. 508/79 SRO Katpadi

Land & buildings at Door No. 9 Eighth Cross Main Road, Gandhinagar, Vellore.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 29-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) V. T. Somdasundaram No. 56, Sterling Road,
Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Thiru Arooran Sugars Ltd. Vadapathimangalam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras, the 9th October 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 6970.—Whereas I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 120/1 situated at Vadapathimangalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 775/79) on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at R.S. No. 120/1, Vadapathimangalam (Doc. No. 775/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Sita Narasimhan Rep. By Padmini Chari,
235, Avvai Shanmugham Road, Madras-600 086.
(Transferor)

(2) M/s. Wheels India Ltd. 180, Mount Road,
Madras-600 006.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras, the 9th October 1979

Ref. No. 6984.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 73, Abhiramapuram IV St., situated at Prithivi Avenue, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 272/79) on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
21—316GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 73 (29) Abhiramapuram IV St., Prithivi Avenue, Madras (Doc. No. 272/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 9-10-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II,**

MADRAS-600006

Madras, the 9th October 1979

Ref. No. 6964.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, Gandhi Nagar, situated at Kottur Village (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. No. 268/79) on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1822) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M. Vijayamma
W/o K. Vasudevan Pillai
V. Rajasckaran & V. Sudhakar
S/o. K. Vasudevan Pillai Srinivasa Avenue
Madras-28.
(Transferor)

(2) T. P. Nabeesa
D/o. Mamathottathil Puthan Parayil
House, Pandhakkal Mahe.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, Gandhinagar Crescent Park II Rond, Madras (Doc. No. 268/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 9-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Citibank NA.
152, Mount Road, Madras-600002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Punalur Paper Mills Ltd.
Punalur 691 305 Kerala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras, the 9th October 1979

Ref. No. 6980.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, Adyar Boat Club Road, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mylapore (Doc No. 261/79) on February 1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Land and Building at 5, Adyar Boat Club Road, Second Avenue, Madras (Doc. No. 261/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1979.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-****TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**(1) Citibank NA
152, Mount Road,
Madras-600 002.

(Transferor)

(2) M/s. Laxminivas & Co. (P) Ltd.
13, Lindsay Street, Calcutta-700 016.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-JI,
MADRAS-600006**

Madras, the 9th October 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days** from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of **30 days** from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days** from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in R.S. No. 3901/8, Second Avenue, Boat Club Road, Adyar, Madras [Doc. No. 262/793.

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) M. Raju (M/s. Inventors & Fabricators) 3, Kumaran Illam Tagore Nagar, Pondicherry-8.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600006

Madras, the 9th October 1979

Ref. No. 8520.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A2, situated at Indus. Estate, Thattanchavadi, Pondicherry-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 102/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Auroelectronics,
25-B, Cazy Street, Pondicherry-605 001.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at Plot A-2, Indus. Estate, Thattanchavadi, Pondicherry-9 (Doc. No. 102/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 9-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) J. D. Italia, (Retd.)
Dinroze Estate, Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006**

Madras, the 9th October 1979

Ref. No. 6959.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 76, Mount Road, situated at Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. No. 133/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 76, Mount Road, Madras-2 (Doc. No. 133/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Ldr. J. D. Italia (Retd)
Dinroze Estate, Mound Road, Madras-2
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras, the 9th October 1979

Ref. No. 6967.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 65, situated at Anna Salai Madras-2, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 751/79), on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S. Ahmed Fathima, S. A. C. Shaik Nordeen S.A.C. Hias Naufer, B.S.O. Ojecha, B. S. Khairunnissa, B. S. Sultan Beevi, S. A. K. Seyed Ahmed Fathima, S. A. K. Mohamed Ali, S. A. K. Noorul Ainia, S.A.K. Shaik Noordeen S. A. K. Muthu Magdoom Fathima
65, Anna Salai, Dinroze Estate, Madras-2.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 65, Anna Salai, Madras-2. (Doc. No. 751/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 19-10-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Ldr. J. D. Italia (Retd.)
Dinroze Estate, Mount Road, Madras-2.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006**

Madras, the 9th October 1979

Ref. No. 6967.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

64, situated at Anna Salai Madras-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 752/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S. Ahmed Fathima, S.A.C. Shaik Nordeen S. A. C. Ilias Naufer, B. S. O. Ojecha B. S. Kairunnissa, B. S. Sultan Beevi, S. A. K. Syed Ahmed Fathima, S. A. K. Mohamed Ali, S. A. K. Noorul Ainia, S. A. K. Shaik Noordeen, S. A. K. Muthu Magdoon Fathima
64, Anna Salai Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 64, Anna Salai, Madras-2 (Doc. No. 752/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri A. V. Varatharaja Iyengar, Ananthapuram, Tinnelveli Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. V. Lakshmi Ammal W/o Shri Dr. S. Varadharajan, Perumal Sannathi Street, Tinnelveli Junction.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 10th October 1979

Ref. No. 19/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 74 situated at Melaveeraragavapuram Village Perumal Sannathi Street, Tinnelveli,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO I Tinnelveli (Doc. No. 128/79) on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 128/79 JSRO I, Tinnelveli

Land & Building at Door No. 74, Melaveeraragavapuram Village Perumal Sannathi Street, Tinnelveli.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 10-10-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—316GI/79

FORM ITNS —————

(1) Shri R. Duraisamy, Valaiya chettiyur, Poolampatti Village, Sankari Taluk, Salem District.
(Transferor)

(2) Shri Muthu, S/o Ramasamy gounder, Devannagoundanur, Sankari Taluk, Salem District.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 10th October 1979

Ref. No. 78/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 59/1A situated at Chittoor Village, Salem District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Jalakantapuram, Salem (Doc. No. 188/79) in February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 188/79 SRO Jalakantapuram.

Agricultural lands in R.S. No. 59/1A, Chitoor Village, Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 10th October 1979

Ref. No. 16/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 520/2-C, 520/2-D, situated at 520/2E, 520/2F Iluppaiurani Village, Kovilpatti, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Kovilpatti (Doc. No. 296/79) in February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Khader Mohideen,
2. Mohamed Kasim,
3. Gulam Mohideen,
4. Sahul Hameed,
5. Fathima Beevi,
6. Shahul Hameed
S/o Alla Pichai
7. Keja Kohidcen,
8. Sadak Abdulla,
9. Ameena Beevi,
10. Mohamed Ali Jinna.

} 202, Chekkadi Street,
KOVILPATTI.

(Transferor)

(2) 1. Shri L. Lakshmanaperumal,
2. Shri Narayanasamy,
3. Shri Sundararajan.

} Thittankulam,
Kovilpatti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE*Document No. 296/79 SRO Kovilpatti.*

Agricultural lands—7.79 acres—Survey Nos. 520/2C, 520/2D, 520/2E and 520/2F—Iluppaiurani Village, Kovilpatti.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1979
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri R. Ethirajan, S/o Shri Renganna Reddiar, Merchant, Pallipalayam Road, Kumarapalayam.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri M. S. Ilavarasan, Son of Shri S. S. M. Goundapan, Kalaimagal Veedhi, Komarapalayam, Salem Dt.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I**

Madras-600 006, the 10th October 1979

Ref. No. 21/FEB/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 93, situated at Sukkuravaram Village, Komarapalayam, Salem Dt.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Komarapalayam (277/79) in February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 277/79 SRO KOMARAPALAYAM.

Land & Buildings at S. No. 93, Sukkuravaram Village, Komarapalayam, Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 10-10-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s Parthas Textiles, Managing Partner : Shri M. Srinivasa Reddiar, Cape Road, Nagercoil.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th October 1979

Ref. No. 35/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 2077-A.2 & 2077-B2 situated at Cape Road, Nagercoil,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Nagercoil (Doc. No. I-24/422/79) on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) 1. K. T. Mariamma,
2. P. D. Chacko,
3. Anthony Muthu,
4. P. D. Abaraham.
C/o Shri Devasiaputhur, Advocate, Nirappumalai, Keeriparai, Kanyakumari Dt.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Document No. I-24/422 JSRO I, Nagercoil.
Land and Buildings at S. No. 2077 A-2 and 2077-B2 at Cape Road, Nagercoil.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. A. V. Varatharaja Iyengar
 2. Shri A. V. Annadurai, Ananthapuram, Tinnelveli,
 (Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th October 1979

(2) Dr. S. Varatharajan, Perumal Samnathai Street, Tinnelveli Junction.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 20/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61 situated at Malaveeraragavapuram Perumal North Car Street, Tinnelvoli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Tinnelveli (Doc. No. 129/79) on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 129/79 S.R.O. Tinnelveli
 Land and Buildings at Door No. 61, Malaveeraragavapuram Perumal North Car Street, Tinnelveli.

O. ANANDARAM
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri N. Ramachandran, S/o K. S. Krishnaswamy Iyer, G. N. Chetty Road, T. Nagar, Madras-17.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th October 1979

Ref. No. 37/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 16 situated at Plot No. 3-B, Perumalpuram C. Colony, Kulavanigapuram, Tinnelveli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Melapalayam (Doc. No. 266/79) on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri M. S. A. Meeran @ M. Chinnagani Ahamed Meeran, S/o Shri Mohamed Marayakar, N.G.O. Colony—A-35, Palayamkottai, Tinnelveli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 266/79 SRO, Melapalayam.
Land and Buildings at Door No. 16, Plot No. 3-B, Perumalpuram C. Colony, Kulavanigapuram, Tinnelveli.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. K. Swarna Lakshmi Mrs. Seetha Ramachandramurthy, 6, Arulammal Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Sonia R. Dawlani, 3 (Ground Floor), Radhe-shyam Buildings, 80, Marshal's Road, Egmore, Madras-8.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006**

Madras-600006, the 9th October 1979

Ref. No. 55/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 80, situated at Marshalls Road, Egmore, Madras-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Periamet (Doc. No. 177/79) on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

Document No. 177/79 SRO Periamet.
Flat in Building at Door No. 80, Marshalls Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 9-10-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Messrs. K. A. Rehman and Company, C/o Shri T. P. C. Moosai Kutty, Metro Medicals, Tellicherry, Kerala State.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS**

Madras-600006, the 8th October 1979

Ref. No. 58/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 76 & 77, situated at Sydenhams Road, Periamet, Madras-3,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Periamet (Doc. No. 167/79) in February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Victory Timber and Saw Mills, No. 172, Sydenhams Road, Periamet, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE*Document No. 167/79 SRO Periamet.*

Land & Buildings at Door Nos. 76 and 77 Sydenhams Road, Periamet, Madras-3.

O. ANANDARAM

Competent Authority,
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—316GI/79

Date : 8-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) J. S. Victoria, 3, Gandhi Irwin Road, Egmore, Madras-8.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s South India Hotels (P) Ltd., Represented by Managing Director Shri M. P. Purushothaman, 3, Kennet Lane, Madras-8.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 11th October 1979

Ref. No. 43/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 3 (Old No. 1), situated at Kennet Lane, Egmore, Madras-600008, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II, Madras North (Doc. No. 587/79) on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Document No. 587/79 JSRO II, Madras North.

Land and Buildings at Door No. 3 (Old No. 1) Kennet Lane, Egmore, Madras-600 008.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1979.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS**

Madras-600006, the 11th October 1979

Ref. No. 52/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- S. No. 471/2, 475/5, 471/1A 1B situated at Nilakkottai Village, Nilakkottai Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Nilakkottai (Doc. No. 184/79) on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Amir Ali, S/o Shri Muthappa Rawther @ Mohamed Husain, Nilakkottai.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Jamal Mohamed, S/o Shri S. K. Sheik Ismail, Kambam.
2. Smt. Syed Raffeyya Bccvi W/o Shri M. Shahul Hameed, Kambam.
3. Shri A. M. A. Nazruddin Ahamed, Kambam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 184/79 SRO Nilakkottai.

Agricultural lands Survey No. 471/2, 475/5, 471/1A 1B Nilakkottai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 11-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. V. Raman, S/o Shri M. K. Ranganathan,

Aliyur, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Pakkir Mohamed, S/o Shri Nayinar Mohamed Rawther Kodaikkanal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS**

Madras-600006, the 11th October 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 64/FEB/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 389/1B situated at Kodaikanal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

AO Kodaikanal (Doc. No. 21/79) on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 21/79 SRO KODAIKKANAL.

Land and Buildings at S. No. 389/1B KODAIKKANAL.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 11th October 1979

Ref. No. 83/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 472/1 situated at Sevugampatti Village, Nillakkottai Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Vathalakundu (Doc No. I-20/280/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. T. Pachiappa Nadar,
2. P. Rajaimal,
3. P. Kasirajan,
4. Dharmar,
5. Koodalingam,
6. Mayandi,
7. Natarajan,
8. Hitler,
9. Manickavel,
10. Rathinavel.
Sevugampatti Village, Nilakkottai Taluk.
(Transferor)
- (2) W.T.M.T. Zananasegaran, S/o W.T.M. Toppa Nadar,
Sevugampatti Village, Nilakkottai Taluk.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. I-20/280/79 S.R.O. Vathalakundu.

Garden Lands—S. No. 472/1, Sevugampatti Village, Nilakkottai Taluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Meenakshi Theatres,
Kandanur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) M. Jameela Bibi,
W/o S. Mohammed Mohideen,
Palaiyur, Kandanur, Ramnad Dt.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 13th October 1979

Ref. No. 8513.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 47, situated at Palaiyur, Kandanur, Karaikudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. No. 47/79) on February 1979 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building known as Meenakshi Theatre, Palaiyur, Kandanur, Karaikudi Door No. 47.

(Doc. No. 47/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. T. V. Sivanandam,
95, West Sambandam Road,
R. S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferor)

(2) The Karpagam Theatres (P) Ltd.
Cross cut Road, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 13th October 1979

Ref. No. 10283.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site Nos. 481 and 482, situated at Sanganur (T.S No. 11/751 and 752) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 724/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Site Nos. 481 and 482, T.S. No. 11/751 and 752 Sanganur Coimbatore (77 Cents and 172 sq. ft.)

(Doc. No. 742/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 13-10-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 13th October 1979

Ref. No. 10283.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site Nos. 481 situated at Sanganur, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gandhipuram (Doc. No. 1476/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sreenivasa Perumal Financing Corporation,
94A Dr. Rajendra Prasad Road,
Tatiband, Coimbatore.

(Transferor)

(2) The Karpagam Theatres (P) Ltd.,
268A, Crescent Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as Site No. 481 Sanganur T.S. No. 11/752/1.
(Doc. No. 1476/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 13-10-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Mrs. F. Mathuranayakam,
No. 2, Giri Road, T. Nagar,
Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs. A. M. Hathizathu Amina,
West St., Kilakkara, Ramnad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th October 1979

Ref. No. 7040.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2, situated at Khader Nawaz Khan Road, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 152/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at 2, Khader Nawaz Khan Road, Madras-34.

(Doc. No. 152/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24—316GI|79

Date : 15-10-1979

Seal : _____

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th October 1979

Ref. No. 8495.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C41, situated at Ramalinga Nagar Puthur (and more fully described in 'the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 358/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) K. M. Radha Krishna Chetti,
69, Panchavarnaswami Koil St.,
Woraiur, Trichy.

(Transferor)

(2) Menghraj No. 1, Tawker Chatramtrm,
Tiruchy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at C41, Ramalinga Nagar, Puthur.
(Doc. No. 358/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 15-10-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) T. V. Ramnath,
13, Thyagaraya Road, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Y. Sarojammal,
M. Devarathnamma,
C. N. Vishwanathan,
17, Jagadecswar St.,
Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th October 1979

Ref. No. 7036.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Kumrathur Poonamallee and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Poonamallee (Doc. No. 371/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

THE SCHEDULE

Agricultural lands, Houses, wells etc. at Kunrathur* (16.041/3 Acres).
(Doc. No. 371/79)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS**

Madras-600006, the 15th October 1979

(1) Shanthi Charities,
18, Thyagaraya Road,
Madras-17.

(Transferor)

(2) Y. Sarojamma,
M. Devarathnamma,
E. N. Vishwanathan,
17, Jagadeeswar St.,
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 7036.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. situated at Kunrathur, Poonamallee (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Poonamallee (Doc. No. 372/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Kunrathur, Poonamallee.
(Doc. No. 372/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-10-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS

Madras-600006, the 15th October 1979

Ref. No. 8502.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75, situated at Thiruneermalai Road, Pammal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pallavaram (Doc. No. 282/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) A. Muhammed Mohideen,
66, Nandanam Extension,
Madras-600035.

(Transferor)

(2) Sree Rajeswari Enterprises,
7, (New No. 6), Sam Mudaly St.,
Periamct, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 75, Thiruneermalai Road, Pammal.
(Doc. No. 282/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 15-10-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. P. C. Karunakaran Nambiar,
Block U 79 Plot 4278, Madras-40.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lakshmiammal,
Dorairaj,
Dhanabal,
22/12, Othachakkara St. No. 2,
Coimbatore-641001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS**

Madras-600006, the 13th October 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 10284.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10, Dr. Sivananda Nagar, situated at Co-op. Housing Building Society Ltd. Sanganur, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 588/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building 10, (Site No. 48), Dr. Sivananda Nagar Co-op. House Bldg. Society Ltd., Sanganur, Coimbatore. (Doc. No. 585/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-79

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Ldr. Jamshid Dins Italia (Retd.),
and Dr. Farid J. Italia,
Attorneys of the Estate of late D. D. Italia,
Dinroze Estate, Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) S. N. M. Noohu S/o Sheik Noordeen,
221, Linghi Chetty St., Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-600006, the 16th October 1979

Ref. No. 6966.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/178 (New No. 88) Anna, situated at Salai, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 824/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 88, Anna Salai Madras-2.
(Doc. No. 824/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kum. Meenal Ramaswami,
13, Leith Castle St.,
Madras-600028.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 16th October 1979

Ref. No. 6902.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, Harrington Road, situated at Madras-31 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 576/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M. K. Chandrakanth,
Asoka Buildings,
11/236, Dr. Nanjappa Road,
Coimbatore-641018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 7, Harrington Road, Madras-31.
(Doc. No. 576/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-10-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. Nagarajan and
Shri P. R. Kalyanasundaran,
No. 2/155, Melachatram Street,
Paramakudi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th October 1979

Ref. No. 17/FEB/79.—Whereas, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/104, situated at Melachatram Street, Paramakudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Paramakudi (Doc. No. 10/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

25—316GI/79

(2) Shri R. Sethu Nadar,
Keelakottai, Paramakudi Taluk,
Ramanad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 10/79 SRO Paramakudi,
Land and Buildings at Door No. 2/104, Melachatram Street, Paramakudi.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 12-10-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri N. Nagarajan and
Shri P. R. Kalyanasundaram,
No. 2/115, Melachatram Street,
Paramakudi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600006

(2) Smt. S. Vallimayilu Ammal,
W/o Shri Sethu Nadar,
Keelakkottai, Paramakudi Taluk,
Ramanad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 18/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/104, situated at Melachatram Street, Paramakudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Paramakudi (Doc. No. 11/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 11/79 SRO Paramakudi.

Land and Buildings at Door No. 2/104, Melachatram Street, Paramakudi.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-10-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. V. B. VidyaSankar,
No. 34, 35 South Perumal Maistry Street,
Madurai.

(Transferor)

(2) Shri P. Subramanian,
43, Lakshmiapuram 4th Street,
Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,****MADRAS-600006**

Madras-600006, the 12th October 1979

Ref. No. 85/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 275, situated at Kamaraj Road, Madurai (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I, Madurai (Doc. No. 583/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Document No. 583/79 JSRO I, Madurai.

Land and Building at Dood No. 275, Kamaraj Road, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri E. V. B. Vathsala,
No. 34, 35 South Perund Maiy Street,
Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri P. Subramanian,
43, Lakshmiapuram 4th Street,
Madurai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th October 1979

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as so defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. F. 86/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 275, situated at Kamaraj Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 554/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 554/79 JSRO I, Madurai.

Land and Buildings at Door No. 275, Kamarajar Road, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-10-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. V. B. Premchander,
No. 34, 35 South Perumal Maistry Street,
Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 12th October 1979

Ref. No. 87/HLB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 275, situated at Kamarajar Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSRO I Madurai (Doc. No. 555/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri P. Subramanian,
43, Lakshmiapuram 4th Street,
Madurai.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE:

Document No. 555/79 JSRC I, Madurai,
Land and Buildings at Door No. 275, Kamarajar Road,
Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 12-10-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th October 1979

Ref. No. 87/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 275 situated at Kamarajar Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 556/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri T. V. R. Dilipkumar,
No. 34, 35 South Perumal Maistry Street,
Madurai.

(Transferor)

(2) Shri P. Subramanian,
43, Lakshmiapuram 4th Street,
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 556/79 JSRO I, Madurai.

Land and Buildings at Door No. 275, Kamarajar Road, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 12-10-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. V. R. Ramakrishnan,
Madras now in the U.S.A.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Church of South India Trust
Association, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 13th October 1979

Ref. No. 22/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 Officers' Line, situated at and Masilamani Hostel Road, Vellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Vellore (Doc. No. 450/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 450/79 JSRO I, Vellore.

Land and Buildings at Door No. 15, Officers' Line, Vellore, and Land and Building at Masilamani Hostel Road, Vellore.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-10-1979

Seal :

FORM ITNS— —

(1) Shri S. G. Ramachandra Jyer,
Door No. 4, Kakka thope, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th October 1979

Ref. No. 25/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, situated at Kokathope, Pudumandapam, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 166/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri R. Muthukrishnan,
No. 28, Kakathope Agraaharam,
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

Document No. 166/79 SRO Pudumandapam.
Land and Buildings at Door No. 4, Kakathope, Pudumandapam, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority.
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-10-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Meri Suganthi,
W/o Shri T. K. R. Baldwin,

(Transferors)

(2) Shri R. Periasamy Nadar,
No. 18-C, New Ramnadarapuram Road,
Madurai.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th October 1979

Ref. No. 33/FFB/1979.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18-C, situated at New Ramanathapuram Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 342/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 342/79 SRO I, Madurai.
Land and Buildings at Door No. 18-C, New Ramnadarapuram Road, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 12-10-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri V. Ganesan,
2. Smt. Mangalam Ammal,
No. 16, Town Hall Road, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) 1. P. R. Manonmani,
2. S. Latha by Guardian S. Amudavalli,
3. R. Usharani Guardian by R. Renuka,
No. 131, Northveli Moola Veedhi,
Madurai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006**

Madras-600006, the 12th October 1979

Ref. No. 65/FEB/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16, situated at Town Hall Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. 347/79) on Feb. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 347/79 SRO Pudumandapam.
Land and Buildings at Door No. 16, Town Hall Road, Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 12-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhagvandasal Das,
No. 193, Mint Street,
Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th October 1979

Ref. No. 97/Et B/79 — Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 193, situated at Mint Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet (Doc. 131/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) 1. Shri Ramlal Soni,
2. Shri Jagadeesh,
3. Smt. Gangabhai,
159, Mint Street,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Document No. 131/79 SRO Sowcarpet.
Land and Buildings at Door No. 193, Mint Street, Madras-1.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 12-10-1979

Seal :

